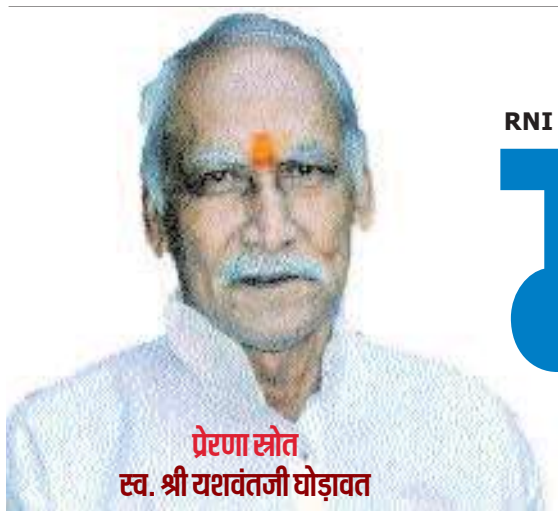

प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सुख में और दुख में आनंद में और कष्ट में हमें हर जीव के प्रति वैसी ही भावना रखना चाहिए जैसा कि हम अपने प्रति रखते हैं...
-भगवान महावीर

वर्ष-04, अंक -28 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 14 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कानून का नहीं पुलिस का राजः पुलिस चाहे तो अपराध होने पर भी नहीं करती मामला दर्ज और पुलिस चाहे तो अपराध नहीं करने पर भी बना दे अपराधी

8 लेन वालों से सांठ-गांठ के साथ बेगुनाह को गुनेहगार की तरह ट्रीट करना पुलिस को पड़ा महंगा, महिला टीआई ने अपने बचाव के लिए लिखवाई महिला उत्पीड़न की झूठी रिपोर्ट फिर किया मामला रफा-दफा

भाजपा का चरित्रहीन भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण नायक फोटो सेशन के समय भी महिलाओ की तरफही अपनी नजर रखने का यह फोटो जमकर सोशल मिडीया पर वायरल होकर चर्चा का केन्द्र बना हुआ है।

जीआर कम्पनी का अजय मनावत

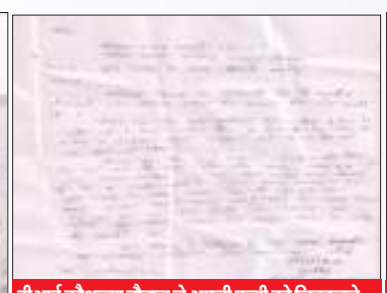

टीआई कौशल्या चौहान ने अपनी फसी को निकालने के लिए स्वंय ने अपने पुलिस कर्मचारी से लिखवाई महिला उत्पीडन संबधी झुठी रिपोर्ट

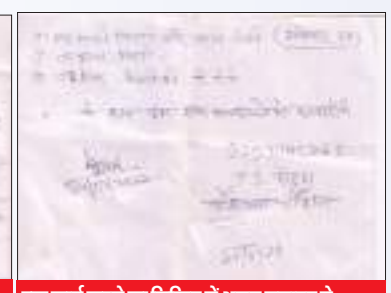

उक्त कार्य करने का लिखित में अजय मनावत से लिखवाने के बाद पुलिस ने उक्त कार्य होने की जवाबदारी लेकर टीआई कौशल्या चौहान ने किये हस्ताक्षर

टीआई कौशल्या चौहान

माही की गूंज, (संजय भटेवरा)।

पुलिस अपनी खुन्नस को निकालने के लिए हर निचले स्तर तक पहुंच सकती है

वाह रे पुलिस तेरी कारस्तानी को जितना भी निहारा जाए उतना भी कम हैं। पुलिस जिसे चाहे अपराधी बना दे और पुलिस चाहे तो अपराध करने वाले को बेगुनाह साबित कर दें। ऐसी घटिया व मनमानी पुलिसिया कार्रवाई से ही पुलिस की विश्वनीयता दर पर दर घटती जा रहा है और उन्हें हडकिये कुतरे की तरह उपाधि देने में आमजन कोई चूक नहीं कर रहे है।

जिले में चल रहे भाजपा जिलाध्यक्ष के विरुद्ध महिलाओं के साथ शोषण करने का मामला भोपाल की गलियारों से लेकर उच्च न्यायालय तक पहुंच गया। परंतु सारे विधिसम्मत प्रमाण व ऑडियो रिकॉर्डिंग के बाद भी भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण नायक के विरुद्ध मामला दर्ज नहीं कर, उसे गैर महिलाओं को गंदी नजर के साथ छेड़ने की छूट प्रदान कर दी गई है। माना जा रहा है जिसके तहत भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण नायक भी जिले में महिलाओं पर बुरी नजर रखने वाला चरित्रहीन व्यक्ति की उपाधि प्राप्त कर किसी भी मंच पर जाता है तो फोटो सेशन के समय भी उसका ध्यान महिलाओं की तरफ़ही रहता है। जैसे फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होकर चरित्रहीन उपाधि प्राप्त करने वाले लक्ष्मण नायक पर कई तरह की हास्यप्रद चर्चाये चलन में हो चुकी है। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष नायक के आतीत्य मंच पर उपस्थित होने पर अब महिलाए उक्त मंच पर जाने से भी कतराने लगी है। हमारा कानून महिलाओं के प्रति बुरी नजर से देख कर निहारने पर भी पुरुष अपराधी की श्रेणी में आता है, परंतु राजनीतिक संरक्षण के साथ पुलिस ने गैर महिलाओं को बुरी नजर से निहारने हेतु मानो चरित्रहीन भाजपा अध्यक्ष लक्ष्मण नायक को परमिशन दे दी है। वहीं जिले में ऐसे मामले भी देखे गए जिसमे खासकर वो पत्रकार भी रहे हैं, जिन्होंने अपनी कलम का निर्वाह इमानदार से किया। वही कही ना कही ऐसे पत्रकारों से आहत रहती पुलिस के पास जब समाचारो से आहत बदनीयती वाले व्यक्तियो ने महिलाओं का सहारा लेकर झूठी पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई, तो पुलिस भी कानून की सच्ची रखवाली करने वाली है का ढकोसला कर बिना किसी जांच पड़ताल के ही महिला उत्पीड़न के मामले दर्ज कर दिए गये। जबकि ऐसा कोई अपराध नही किये गये। जब ऐसे मामलों में जिला स्तर के पुलिस अधिकारी भी महिला संबंधि मामलों में पत्रकारों को कहते नजर आते हैं कि, महिला द्वारा शिकायत पर पुलिस को प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करना ही पड़ती है, यह पुलिस का काम है। पर असलियत तो यह है कि पुलिस ही बिना अपराध के जिसे अपराधी मान ले उसके विरूद्ध त्वरित मामला दर्ज कर ले वही अपराध करने के बाद भी फरियादी, फरियाद लेकर थाने तो क्या भोपाल से लेकर न्यायालय तक भी चला जाए तो भी पुलिस उसे अपराधी नहीं माने तो उसके विरुद्ध मामला दर्ज नहीं हो। यही पुलिस की कार्यप्रणाली देखने में आ रही है।

पुलिस की कारस्तानी का एक और खुलासा 8 लेन के जीआर इंफ्रा के कर्मचारियो के साथ पुलिस को सांठगांठ पड़ी महंगी

यह तय है कि, पुलिस को जो आईना दिखाएं उसके विरूद्ध पुलिस अपराध दर्ज करने में कोई कसर नहीं छोड़े और जहां पुलिस की नब्ज फस जाती है, तो पुलिस अपने आप को बचाने के लिए किस निचले स्तर पर जा सकती है का खुलासा हम पूरी बेबाकी के साथ कर रहे है। मामला थांदला थाने की खवासा चौकी का है, जहां 8 लेन सड़क निर्माण कार्य करने वाली जीआर इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारियों से पुलिस ने ऐसी साठगांठ की कि, 8 लाइन वाले जिस और इशारा कर दे कि यह व्यक्ति 8 लाइन के कार्य में उनकी समस्याओं के साथ बाधा पहुंचा रहे हैं। तो पुलिस बेगुनाह होने के बावजूद सामने वाले को अपराधी की तरह ट्रीट कर उसे बिना किसी अपराध के ही चौकी या थाने पर ले जाकर पुलिसिया ट्रीटमेंट देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

कहते हैं कभी-कभी शेर को सवा शेर मिल ही जाता है

लेकिन कहते हैं कभी-कभी शेर को सवा शेर मिल ही जाता है और यहां भी कुछ ऐसा ही हुआ 8 लाइन में कार्य के दौरान जीआर इंफ्रा के कर्मचारियों ने जिन-जिन व्यक्तियों की भूमि अधिग्रहण में आई उन्हें कई तरह से गुमराह कर परेशान करने व अपने अनुसार ही कार्य करने का दबाव बनाया। हर कार्य उनके हिसाब से हो कि नियत से यह साफहै कि, जीआर इंफ्रा कंपनी के कर्मचारियों ने पुलिस से लेकर पटवारी या जो भी अधिकारी जिनके माध्यम से उनका कार्य करने में थोड़ी बहुत भी तकलीफआने पर उनके हिसाब से काम हो की नियत से सांठगांठ कर ली गई। नतीजन पुलिस भी जीआर इंफ्रा कंपनी का इशारा होते ही बेगुनाह व्यक्ति को ही बिना किसी अपराध के ही चौकी व थाने पर लाकर पुलिसीया ट्रीटमेंट दिया गया।

इसी कड़ी में लक्ष्मण पिता नारजी निवासी वडलीपाड़ा (भामल) की सर्वे नंबर 1312 सरकारी खाते की भूमि उसके हक में थी जिसका मुनाफा 80 हजार देने के साथ ही एक अन्य खाते की भूमि जो उपजाऊ नहीं थी को मिट्टी व लेवल कर खेती योग्य जीआर इंफ्रा लिमिटेड कंपनी के द्वारा बनाकर दिया जाएगा की बात कर्मचारियों ने समझौते के रूप में कही। साथ ही टोल प्लाजा पर नौकरी भी देने की बात समझौते के तहत कही थी।

लेकिन 19 अप्रैल 2021 के समझौते के साथ अपना उल्लू सीधा होने के बाद जीआर इंफ्रा कंपनी का लाइजनिंग मैनेजर अजय मनावत अपनी बात से मुकर गया ओर जिस पड़त भूमि को उपजाऊ उनके संसाधन के साथ करना थी जिसे नहीं किया गया। जब कुछ समय के बाद लक्ष्मण व उसकी पत्नी, परिवार ने अपने वादे अनुसार जीआर इंफ्रा कंपनी के कर्मचारियों को कार्य करने का कहा, तो लारजनिंग मैनेजर अजय मनावत ने खवासा तत्कालीक चौकी प्रभारी रज्जत सिंह गणावा को इशारा कर पुलिसीया ट्रीटमेंट देने की बात कही। जिस पर खवासा पुलिस घर जाकर लक्ष्मण के पुत्र अमित को पुलिस वाहन में जबरदस्ती बिठाकर खवासा चौकी ले आई।

यहां तक कि अमित ने बिना किसी अपराध के चौकी क्यों ले जा रहे हैं कहा, तो उसे थप्पड़ मार कर गाडी में बिठाया गया और खवासा चौकी पर लाकर बिना किसी अपराध के ही अमित को पुलिसीया ट्रीटमेंट देकर लॉकअप में डाल दिया। यह बात उसकी मां लीलाबाई व पिता लक्ष्मण को नागवारा लगी और पुलिस चौकी पर पुलिस से लीलाबाई ने एक ही सवाल किया कि, तुमने मेरे छोरे को किसकी शिकायत पर व किस अपराध में पकड़ कर लाए। तो पुलिस भी हरकत में आ गई और 8 लेन के कर्मचारी अजय मनावत द्वारा शिकायत की गई कहां गया। लेकिन जब अजय मनावत से पूछा गया कि, किस संबंध में शिकायत की गई, तो अजय मनावत एक सिरे से पुलिस में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं करने की बात कही।

पुलिस के विरुद्ध सीएम हेल्पलाईन में की शिकायत तो पुलिस ने पिता को ले जाकर किया लॉकअप में बन्द

जिसके बाद अर्धनग्न स्थिति में ही पुलिसीया ट्रीटमेंट के बाद खवासा पुलिस ने अमित को परिवार के सुपुर्द किया। लेकिन बिना अपराध के व बिना किसी शिकायत के अपने पुत्र को पुलिस द्वारा अपराधी मानने व पुलिसीया ट्रीटमेंट देने के बाद पिता लक्ष्मण ने सीएम हेल्पलाइन पर पुलिस के खिलाफशिकायत की, तो सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत कटवाने हेतु पुलिस ने अपने आतंक का परिचय देकर, लक्ष्मण को उठाकर थांदला थाने ले जाकर पुलिसिया ट्रीटमेंट के साथ लॉकअप अर्धनग्न कर डाल दिया।

जब माही की गूंज प्रतिनिधि का फोन टीआई कौशल्या चौहान के पास गया तो मजबूरी में आधी रात को लक्ष्मण को छोड़ना पड़ा। पर टीआई कौशल्या चौहान ने अपनी कारस्तानी दिखाकर झूठे बयान का हवाला देकर प्रथम सीएम हेल्पलाइन को खत्म करवा दिया गया।

द्वित्तीय सीएम हेल्पलाइन को खत्म करने के लिए महिला टीआई ने, महिला शोषण की झूठी रिपोर्ट लिखवाकर मामले में किया समझौता

पुलिस अपने काम निकालने के लिए कितना गिर सकती है शायद यह अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। पहले पुत्र फिर पति को बिना अपराध थाने ले जाने पर लक्ष्मण की पत्नी लीला बाई ने पति के साथ पुलिस की प्रताड़ना की सीएम हेल्पलाइन में फिर शिकायत की तो पुलिस फिर हरकत में आई और 24 मार्च को खवासा चौकी पर लीलाबाई उसके पति लक्ष्मण व परिवार को थांदला टीआई कौशल्या चौहान ने आकर बुलवाया। और सीएम हेल्पलाइन सें शिकायत हटाने की बात कही।

चूकि 3 फरवरी को माही की गूंज मे मामले में पुलिस की कारस्तानी प्रकाशित हो चुकी थी के मद्देनजर टीआई चौहान चुप नजर आई और सीएम हेल्पलाइन से शिकायत हटाने का अनुरोध करती रही। परंतु परिवार पुलिस के विरुद्ध कार्रवाई के लिए अडीग रहा और एक ही सवाल टीआई चौहान से करा कि, अजय मनावत ने कोई शिकायत नहीं की तो पहले मेरे बेटे व फिर मेरे पति को क्यों पुलिस अपराधी की तरह ले गई। वहीं पुलिस चौकी पर अजय मनावत को बुलाती रही पर वह चौकी पर नहीं आया। तो टीआई चौहान ने अपनी कारस्तानी दिखाकर लीलाबाई से कहा आखिर तुम सीएम हेल्पलाइन की शिकायत किस आधार पर लेने को तैयार हो, तो अजय मनावत से चौकी पर बुलवाकर रूबरू मिलवाने की बात कही। जिसके बाद महिला पुलिस अधिकारी होकर अजय मनावत पर दबाव बनाने हेतु टीआई ने अपने पुलिस कर्मचारी पाटीदार को बोलते हुए लीलाबाई की ओर से अजय मनावत के विरुद्ध महिला उत्पीडन के संबंध में बुरी नियत से हाथ पकड़ने की रिपोर्ट आवेदन लिखवाया।

टीआई के द्वारा लिखवाई झूठी रिपोर्ट में उल्लेख किया कि, 8 लाइन में कार्यरत अजय मनावत 22 मार्च को मेरे घर आया जिस समय मेरा पति घर नहीं था और तू अच्छी लगती है कह कर बुरी नियत से हाथ पकड़ा, चिल्लाने पर वह भागा और वह कहता गया कि, तू यह बात किसी से कहना मत नहीं तो तुझे खत्म करवा देंगे।

लीलाबाई ने उसके साथ ऐसा कुछ नहीं होने का हवाला दिया, लेकिन टीआई मैडम कहती रही, हमें हमारे हिसाब से कार्रवाई करने दो। वही झूठी रिपोर्ट के आधार पर चौकी पर अजय मनावत को बुलाकर ऐसा दबाव बनाया कि, जो वादा पूर्व में 8 लाइन की तरफ़से लक्ष्मण व लीलाबाई को किया था, खेती कार्य करने हेतु खेत तैयार करवाकर काम करवाने का उल्लेख कागज पर करवाया और साक्ष्य के रूप में टीआई कौशल्या चौहान ने भी अपने हस्ताक्षर किए।

टीआई की उक्त कारस्तानी से साफ होता है कि, पुलिस चाहे तो बेगुनाह को गुनेहगार व गुनेहगार को बेगुनाह बनाकर कुछ भी कर सकती है यह तय है।

जयपुर दहलाने की नाकाम कोशिश, खुल रही लगातार परते

दवा व्यापारी को लेकर न्यूरोड पहुंची राजस्थान पुलिस, आतंकी तारों को जोड़ रही एजेंसी

माही की गूंज, रतलाम

जयपुर दहलाने से पहले नाकाबंदी में गिरफ्तार रतलाम के आतंकियों के मंसूबों की खोज में जुटी राजस्थान पुलिस ने मंगलवार को नाहरपुरा स्थित दवा व्यापारी फिरोज को हिरासत में ले लिया। राजस्थान पुलिस रिमांड पर गिरफ्तार आतंकियों को मंगलवार को नकाब पहनाकर भारी सुरक्षा के बीच फिरोज का सामना कराया गया। इस दौरान फिरोज का चेहरा फीका पड़ गया और वह पुलिस के साथ मुह नीचाकर अलग-अलग दुकानों पर पंहुंचा। दवा व्यापारी फिरोज ने कट्टरपंथी सूफा आतंकी संगठन को कहा से कौनसी मदद पहुंचाई, इसकी जांच शुरू कर दी है। मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे संदिग्ध फिरोज को राजस्थान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी न्यूरोड स्थित एक दुकान पर लेकर पहुंचे और वहा से खरीदा गया केमिकल सहित अन्य सामान की जानकारी

जुटाई गई। करीब पौन घण्टे तक दुकान बंद करवाकर जांच की गई। इसके पूर्व संदिग्ध फिरोज को नाहरपुरा स्थित एक मकान के अलावा चांदनीचौक स्थित दुकान पर भी ले जाकर सम्बंधित दुकानदारों से खरीदी सामग्री की जानकारी जुटाई गई।

बता दें कि, 30 मार्च को अफीम की सूचना पर निंबाहेड़ा (राजस्थान) की सदर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान रतलाम की कार क्रमांक एमपी-43 सीए-7091 से 12 किलो आरडीएक्स जब्त किया था। कार में सवार रतलाम निवासी आतंकी अल्तमस पिता बशीर शेरानी, सैफुद्दीन उर्फ सैफुल्लाह पिता रमजानी दोनों निवासी शेरानीपुरा एवं जुबेर पिता फकीर मोहम्मद निवासी आनंद कॉलोनी की गिरफ्तार के पश्चात पूछताछ में जयपुर सीरियल बम ब्लास्ट को अंजाम देने के लिए बड़ी मात्रा में विस्फोटक सहित अन्य संवेदनशील उपकरण जब्ती का मामला उजागर हुआ। रतलाम के तीन गिरफ्तार हुए आतंकियों की निशानदेही पर राजस्थान पुलिस ने टोंक से आतंकी फरहान और मुजीब को गिरफ्तार किया था। इसके बाद राजस्थान एटीएस के इनपुट पर कट्टरपंथी सूफा संगठन का मास्टरमाइंड इमरान खान निवासी मोहननगर सहित आमीन फावड़ा और आमीन पिता अब्दुल को पकडक़र राजस्थान पुलिस के सुपुर्द किया था। मामले में राजस्थान एटीएस मास्टरमाइंड इमरान सहित सभी आतंकियों को रतलाम लाकर जमीनीस्तर पर जांच कर रही है। मंगलवार को भी गिरफ्तार आतंकियो के उगलने पर दवा व्यापारी संदिग्ध फिरोज को हिरासत में लेकर जांच में जुटी रही। सोमवार को भी दिन के अलावा देर रात में भी एमपी और राजस्थान की सयुंक्त पुलिस टीम ने दोबारा गिरफ्तार और संदिग्धों के मकान और खेत पर तलाशी लेने के साथ उनकी भूमिकाओं के संबंध में तार जोड़े हैं।

डीजे की चपेट में आने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत

माही की गूंज, झाबुआ

मंगलवार रात को एक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना डीजे वाहन की टक्कर से हुई जिसमें तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। घटना के बाद डीजे वाहन चालक, वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। दुर्घटना जिला मुख्यालय से 4 किमी दूर झाबुआ थाना अंतर्गत ग्राम कालाडगर रोड पर मंगलवार रात डीजे लगे वाहन क्रमांक जीजे 06 वी 8692 की चपेट में आने से मुकेश पिता पानसिंह मावी (30), रायसिंह पिता रामसन मावी (25), धेहराज पिता श्रवण मावी (26) निवासी ढेकलबडी की मौत हो गई, तीनों मृतक मोटर साईकल पर सवार थे। थाना प्रभारी संजय रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि, दुर्घटना में दो लोगो की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकी तीसरे व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। डीजे वाहन का चालक, वाहन लेकर घटना स्थल से फरार हो गया। पुलिस ने आईपीसी की धारा 304 ए, 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन... ?

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस पार्टी के तेवर बदल रहे हैं। संगठनात्मक चुनाव के लिए नई तकनीक का सहारा लिया जाएगा। पार्टी सदस्यता अभियान के पारंपरिक तरीके को अब ऐप के माध्यम से ई-सदस्यता में बदल दिया गया है। अब उसी माध्यम से सदस्यों के बीच एक ऑनलाइन चुनाव आयोजित करने की योजना भी बनाई जा रही है। अगस्त-सितंबर तक अगले कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव होने है। उससे पहले चुनावी कॉलेजियम का गठन किया जाना है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी ई-वोटिंग का सहारा लेने पर विचार कर रही है। इस कॉलेजियम में एआईसीसी और पीसीसी के मेंबर शामिल होंगे।

50 से अधिक सदस्य एआईसीसी सदस्य और पीसीसी प्रतिनिधि बनने के लिए चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। लगभग आठ से नौ हजार पार्टी पदाधिकारियों के द्वारा तीन लाख से अधिक नामांकनकर्ताओं के इस पात्रता मानदंड को पूरा करने की उम्मीद है। यूपी को छोड़कर बाकी जगहों पर सदस्यता अभियान 15 अप्रैल को समाप्त होगा। कांग्रेस को इस बात की उम्मीद है कि छह करोड़ से अधिक पार्टी मेंबर हो जाएंगे। इस अभियान की निगरानी मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व वाली केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण कर रहा है। प्रवीण चक्रवर्ती के नेतृत्व वाले एआईसीसी डेटा एनालिटिकल विभाग के समन्वय में प्रदेश रिटर्निंग ऑफिसर (पीआरओ) और पार्टी नामांकनकर्ताओं के माध्यम से इसे अंजाम दिया जा रहा है। यह भी पता चला है कि, ई-सदस्यता के साथ-साथ पेपर प्रारूप में एकत्र की गई सदस्यता को हाल ही में डिजिटल स्वरूपों में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है। राहुल गांधी ने आंतरिक रूप से इस ई-ड्राइव को कांग्रेस संगठन का एक्स-रे के रूप में वर्णित किया है। आयोजकों का कहना है कि, सत्यापित डिजिटल सदस्यता से फर्जी सदस्यता से छुटकारा मिलेगा। कांग्रेस सदस्यता अभियान और आगामी संगठनात्मक चुनाव इस बार पार्टी के परिवर्तन चाहने वालों की पार्टी अध्यक्ष पद और सीडब्ल्यूसी सहित निष्पक्ष संगठनात्मक चुनावों की मांग के कारण विशेष रुचि जगाते हैं। आयोजकों का कहना है कि, एक नए एंड्रॉइड ÷कांग्रेस सदस्यता ऐप÷ के माध्यम से यह ड्राइव, केवल स्वीकृत कांग्रेस पार्टी के नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। केवल स्वीकृत नामांकनकर्ता ही सदस्यता के लिए घर-घर जाते हैं।एक फुलप्रूफ सत्यापित और सख्त डिजिटल सदस्यता कार्यक्रम ÷मिस्ड कॉल÷ पद्धति के माध्यम से सदस्यता स्वीकार नहीं करता है।

बद से बदतर थांदला-लिमड़ी मार्ग

माही की गूंज काकनवानी, नरेश पंचाल

थांदला-लिमडी मार्ग न सिर्फ दो राज्यों को जोड़ता है, बल्कि तिसरा राज्य राजस्थान भी इसी मुख्य मार्ग से जुड़ा हुआ है। जहां रोजाना हजारों की तादात में वाहन चलते हैं, लेकिन यह मार्ग पूरा गड्ढों में तब्दील हो चुका है। जगह-जगह डामर उखड़ कर गिट्टी निकली हुई है। इस रोड की पिछले 5 वर्षों से मरम्मत के नाम से मात्र आइल से लीपापोती की जाती है, जो महज 8 दिन में वापस गड्ढों में तब्दील हो जाता है जिससे वाहन चालक तो परेशान होते ही हैं साथ ही वाहनों मैं भी काफी नुकसानी हो रही है

हो रही दादागिरी से वसूली

थांदला-परवलिया के बीच में लगा टोल जहां आए दिन वाहन चालकों से झगड़ा होता ही रहता है। वाहन चालकों का कहना है कि, रोड पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं वाहन चलाने में बहुत ही दिक्कतें हो रही है कहीं से कहीं तक रोड नहीं दिख रहा है इसके बावजूद भी टोल वाले जबरन दादागिरी करके टोल की वसूली कर रहे हैं जिसे प्रशासन भी अनदेखी कर रहा है।

अधिकारी व नेता की है मिलीभगत

अंदरूनी खबर रखने वाले बताते हैं कि, इस रोड पर चलने वाले वाहनों से अवैध वसूली तो होती ही है। इस वसूली में सारे के सारे नेता एवं अधिकारी, टोल वालों से हफ्ता वसूली करते हैं और टोल वालों को इन लोगों का सरक्षण भी प्राप्त होने के कारण से टोल वाले दादागिरी के साथ वाहन चालकों से मारपीट कर टोल टैक्स वसूली भी करते हैं

2011-12 में बना था रोड

थांदला-लिमडी मार्केट जो की वर्ष 2011-12 में बनाया गया था बनते ही टोल टैक्स शुरू हो गया था। जो कि, आज 10 वर्ष हो चुके हैं मगर आज भी टोल टैक्स वसुलना बंद नहीं हुए। आखिर कितना और कब तक टोल टैक्स वसूला जाएगा इसका कुछ कहा नहीं जा सकता। इस और ना कोई नेता ध्यान दे रहा है और ना ही कोई अधिकारी वर्ग ध्यान दे रहा है। जबकि इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों नेता और अधिकारी गुजरते हैं उन्हें भी यह गड्ढे युक्त मार्ग नहीं दिख रहा हैं, थांदला से लगाकर गुजरात बॉर्डर तक पूरा रोड गड्ढों में तब्दील हो चुका है।

पारा गांव की लड़खड़ाती ट्राफिक व्यवस्था, जिम्मेदारों का जरा भी ध्यान नहीं

माही की गूंज, पारा

नवागत चौकी प्रभारी के रूप में श्याम कुमावत ने कार्यभार संभालने के बाद अवैध रूप से चल रहे दो पहिया वाहनों पर शिकंजा कस्ते हुए चालानी कार्यवाही शुरू की। उक्त कार्यवाही की जाना अच्छी बात है, पर खासकर सट्टा, जुआ, शराब माफिया, अवैध धंधे बाजो पर पूरी तरह पारा पुलिस का नियंत्रण होना चाहिए। इसके अलावा पारा गांव की लड़खड़ाती ट्राफिक व्यवस्था पर पूरी तरह काबू पाना बहुत जरूरी है, अन्यथा दुर्घटनाओं का पैराग्राफबढ़ता रहेगा। हालांकि चौकी प्रभारी पारा गांव से अच्छे वाकिफहै। अभी कुछ महीनों पहले ही पारा चौकी का प्रभार इन्हीं के पास था कुछ कारण वश पारा चौकी को छोड़ना पड़ा था लेकिन वर्तमान में पुनः पारा चौकी का कार्यभार संभाला है लेकिन लोगो की अपेक्षाओ पर श्री कुमावत अपनी दुसरी पारी खेलते हुए कितने खरे उतरते है यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा।

ज्ञात रहे पारा पुलिस जिस स्थान पर चलानी कार्यवाही कर रही है उसी स्थान पर एक-दो दिन छोड़ कर रोजाना चूट-पुट घटनाएं हो रही है। सोमवार सांय 4 बजे के करीब स्कूटी चालक तेज गति से आ रहा था कि, सामने अचानक वाहन आने से स्कूटी चालक साइड में उतरने के चक्कर में बहुत दूर तक स्लिप खा कर गिर पड़ा। इसी स्थान पर मंगलवार को दोपहर में एक अज्ञात युवक अपनी बाइक से तेज गति से

झाबुआ की और जा रहा था और घटना स्थल पर खड़ी आदिवासी महिला जिसे बाइक चालक साईट में खडी महिला को टक्कर मारता हुआ रफ्फुचक्कर हो गया महिला सड़क पर जख्मी हालत में पड़ी रही। मगर देखने वालो ने भी जख्मी महिला की सहायता नही की।

मनमानी के साथ कर देते है खडे वाहन

स्थानीय बस स्टेंड पर भी अपनी मनमानी के साथ चाहे कही भी अपने वाहन खड़ेकर बाजार का काम करने चले जाते है जिसके कारण आमजन को हमेशा ही परेशानियो का सामना करना पड़ता है। वही हाट बाजार के दिन तो सड़क से आवाजही करने में कई दिक्कतो का सामना करना पड़ता है। इसी तरह राजगढ़ रोड, होली चौक व बोरी रोड चौराहों पर भी स्थिती जस की तस है। पारा चौकी प्रभारी की इसी तरह यातायत संम्बधी पुलिसिया कार्रवाई सतत् चलती रहेगी तो ही यातायात व्यवस्था यहा की सुचारू रूप से हो सकेगी।

श्री कृष्ण की रासलीला में वनेश्वर मारुति नंदन फुटतलाब में कृष्ण भगवान के सभी स्वरूपों के हुए दर्शन

माही की गूंज, मेघनगर

वनेश्वर मारुति नंदन हनुमान मंदिर पर श्री हनुमान जन्म महोत्सव के दूसरे दिन अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उपस्थित, श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों के दर्शन करवाएं कलाकारों ने बहुत परिश्रम के साथ इन प्रस्तुतियों को मंच पर प्रस्तुत किया। देर रात तक चली इस प्रस्तुति में विशेष रूप से भगवान श्रीकृष्ण के अलग-अलग स्वरूपों के प्रभावित कर देने वाले दर्शन आम लोगों को धर्म के साथ जीवंत रूप में जोड़ते हुए दिखाई दिए।. इस अवसर पर भगवान श्री कृष्ण के नरसिंह अवतार और रामअवतार के साथ श्रीराधा-कृष्ण के साथ उनकी रासलीला और बाल कृष्ण के मयुर नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां भी दी गई। इस अवसर पर भगवान भोलेनाथ और श्रीकष्ण के संवादों के साथ मां पार्वती और भगवान शिव के तांडव नृत्य भी श्रद्धालुओं को मोहित करते हुए दिखाई दिए। कार्यक्रम में विभिन्न भजनों पर नृत्य की प्रस्तुति भी ब्रिज के कलाकारों द्वारा दी गई। कार्यक्रम में बांके बिहारी की झांकी का और उनकी आरती का दृश्य बहुत ही भाव विभोर कर देने वाला था। कार्यक्रम को देखने के लिए देर रात बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं भी पहुंची थी, कलाकारों ने मेघनगर और आसपास के जिलों की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, हम सब का सौभाग्य था कि, हमें मध्य प्रदेश के बड़े मंच फुटतलाव पर अपनी प्रस्तुतियाँ देने का अवसर मिला। यहां के लोग काफी अनुशासित और धर्म के काफी निकट है. कार्यक्रम में आज प्रसिद्ध भजन गायिका कविता श्रीवास्तव माता के जगराते के साथ प्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुतियां देगी. आयोजन में प्रतिदिन भंडारा भी दोपहर 3 से 6 तक चल रहा है। साथ ही मंदिर प्रांगण के सामने प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भव्य मेला लगाया गया है,. मेले में अलग-अलग झूले जहां लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुए है, वहीं खाने-पीने की दुकानें भी लगी हुई है। पिछले 2 वर्षों से आयोजन नहीं होने के चलते इस बार इस आयोजन को लेकर नगरीय और ग्रामीण अंचलों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है.। लोग ग्रामीण अंचलों से प्रतिदिन शाम को यहां पहुंचकर श्री राम भक्त हनुमान जी की आरती का लाभ ले रहे हैं वहीं शाम को होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में भी अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं. आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य मुकेश दास जी महाराज, समाजसेवी सुरेश चंद पूरणमल जैन, राजेश, रिंकू जैन और जैकी जैन के साथ राम दास जी त्यागी टाट वाले बाबा ने भी ग्रामीणों और नगरी क्षेत्र के लोगों से आयोजन में प्रतिदिन भंडारे के साथ शाम को होने वाले धार्मिक आयोजनों और प्रतिदिन मंदिर में होने वाली महाआरती का लाभ लेने का आग्रह किया है

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का धरना प्रदर्शन आज

माही की गूंज, पारा

खाद्य सामग्री के बढ़ते दामों ने गरीबों की कमर तोड़ रखी साग-सब्जी के दाम भिंडी, चतर फली, गिलकी ,चावला फली, नींबू आदि सब्जियों के दामों ने तो गरीबों की थाली से सब्जी ही गायब कर दी।

आज का भाव भिंडी, चतुर फली, गिलकी ,चोवलाफली 60 से 80 रूपये किलो में बिक रही हैं, सब्जियां हालांकि आलू ,प्याज, टमाटर ,लहसुन ,पत्ता गोभी, बैंगन आदि 20 से लेकर 40 रूपये तक बिक रही है। इसके अलावा किराना दुकानों पर भी खाद्य तेल 150 रूपये प्रति किलो बिक रहा है। सभी दालों के भाव 110 रूपये प्रति किलो से लेकर 120 से 130 प्रति किलो बिक रही है।

इसी तरह पेट्रोल, डीजल के भाव में भी बढ़ोतरी हो गई है, आमजन इन दिनों महंगाई की तगड़ी मार झेल रहा है । आज के दिन स्थानीय बस स्टैंड पर कांग्रेस पार्टी का महंगाई के विरोध में धरना प्रदर्शन होगा पार्टी के नेता सलीम खान पठान ने बताया कि, गुरुवार हाट के दिन क्षेत्र के विधायक बालसिंह मैंडा अपने समर्थकों के साथ नगर भ्रमण कर पुनः बस स्टैंड पहुंचेंगे। वह महंगाई के विरोध में धरना प्रदर्शन कर लोगों को संबोधित करेंगे। धरना प्रदर्शन में प्रकाश जी राका, सलेल खान पठान, कालू सरपंच जोगणिया भाई, रूप सिंह डामोर सैकड़ों कांग्रेसी नेता शामिल होंगे समाचार की जानकारी सलीम खान पठान ने दी।

आईपीएल क्रिकेट पर सट्टा खेलने वालों को पुलिस ने धरा

माही की गूंज, रतलाम

पुलिस के लाख प्रयास के बाद भी सटोरिये अपने कार्य को बड़ी चालाकी से अंजाम देकर युवाओं के भविष्य को बर्बाद किया जा रहा है। इन दिनों आईपीएल क्रिकेट खुमार चढ़ा हुआ है और सटोरियों ने इसको कमाई का जरिया बना लिया है। रतलाम में ही ऐसा गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा है मामला हर की शुभम् रेसिडेंसी में सामने आया जहां माणकचौक पुलिस ने छापामारी कर चार सटोरियों को ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा करते पकड़ा। आरोपियों से क्रिकेट सट्टे में उपयोग हो रहे टीवी, मोबाइल और नकद राशि जब्त हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार माणक चौक पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रात में शहर की शुभम् रेसिडेंसी कॉलोनी स्थित एक मकान में दबीश दी। मकान आशीष लुनावत नामक व्यक्ति का है जो स्वयं सट्टेबाजी कर रहा था। कार्रवाई के दौरान मकान मालिक सहित तीन आरोपी आईपीएल क्रिकेट का सट्टा करते मिले पुलिस ने मकान मालिक व आरोपी आशीष पिता कांतिलाल लुनावत (37), रवि सोलंकी निवासी हरमाला रोड एवं एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया। मौके से 1 टी.वी. , सट्टे के हिसाब की 1 डायरी , दो सिम वाला 1 स्मार्ट मोबाइल, सेटअप बॉक्स, 1 रिमोट एवं नकदी जब्त किए। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध 34 सट्टा एक्ट में कार्रवाई की है। थाना प्रभारी ने बताया कि, मुखबिर की सूचना पर रात को दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जिन पर सट्टा एक्ट की कार्रवाई की गई है।

सात दिवसीय कैंप का समापन

माही की गूंज, थांदला

राष्ट्रीय सेवा योजना एक ऐसा मंच है, जिसके माध्यम से विद्यार्थी राष्ट्रहित एवं समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। समाज के साथ जुड़कर स्थानीय स्तर की समस्याओं का समाधान, समाज में व्याप्त कुरीतियों के प्रति जागरूकता, स्वास्थ्य संबंधी एवं शासन की योजनाओं व नीतियों की जानकारी देकर ग्रामीण क्षेत्र में परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। उक्त विचार शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम परवलिया में आयोजित सात दिवसीय कैंप के समापन के अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. पीटर डोडियार ने व्यक्त किए।

ग्राम परवलिया के सरपंच श्री खुशालसिंह सिंगाड़ ने आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में कहा कि, इस तरह के काम से ग्रामीणों को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी मिलती है। विद्यार्थियों को भी ग्रामीण परिवेश एवं प्राकृतिक माहौल में सिखने को मिलता है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रुप में छात्रावास अधीक्षक क्रिस्टोफर खड़िया ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनकी कार्यक्षमता, परिश्रम एवं लगन की प्रशंसा की।

महाविद्यालय के विद्यार्थी कु. दीपिका कटारा एवं शंकर बामनिया ने राज्य स्तरीय कैंप में की गई सहभागिता के अनुभव बताते हुए, अपने साथी विद्यार्थियों को अगले स्तर पर आयोजित कैंप में सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया। सात दिवसीय कैंप के दौरान विद्यार्थियों ने ग्राम में हैंडपंप एवं पेय-जल के आसपास स्वच्छता अभियान चलाया ग्रामीणों को नशा मुक्ति, कुरीतियों के प्रति जागरूक एवं सिकल सेल एनीमिया की जानकारी प्रदान की गई साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार के अवसरों पर भी चर्चा की। प्रो एस. एस. मुवेल ने प्रेरक कहानियों के माध्यम से समाज सेवा कैसे की जाती है, इस संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ एन एस एस स्वयंसेवक प्रताप कटारा, सुनील चरपोटा, पलमा खराड़ी, शंकर बामनिया एवं दीपिका कटारा उपस्थित थे। साथ में महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मीना मावी. शुभदा भोसले, प्रो. हिमांशु मालवीया, प्रो.महेश कुमार तिवारी, डॉ.सुनीता राज सोलंकी, डॉ.दीपिका जोशी, प्रो.रितु सिंह राठौर, ग्रंथपाल नेहा वर्मा, प्रो.केसर सिंह डोडवे, प्रो.छतरसिंह चौहान एवं कर्मचारी गण विजय सिंह मावड़ा, दिनेश मोरिया, रमेश डामोर, दलसिंह मोरी, विक्रम आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. एच डुडवे एवं आभार राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला संयोजक डॉ. बी एल डावर ने माना।

बस मोटरसाइकिल भिड़ंत में दो की मौत

माही की गूंज, थांदला

नगर से 12 किलोमीटर दूर ग्राम सूजापुरा में मंगलवार दोपहर निजी स्लीपर बस व मोटरसाइकिल भिड़ंत में दो व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार स्लीपर बस क्रमांक जीजे 14 टी 0703 गोपाल ट्रैवल्स की बस सूरत से खवासा जा रही थी कि, सूजापुरा पुलिया के समीप मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 45 एमएन 2945 की आमने-सामने भिड़ंत हो जाने से मोटरसाइकिल सवार टक्कर से पुलिये में जा गिरे जिससे जैमाल पिता रुगजी डिंडोर 25 वर्ष व नर्सिंग पिता दीता कटारा 32 वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। दोनों मृतक समीवर्ती ग्राम रत्नाली के निवासी बताए जा रहे हैं पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया घटनास्थल से पुलिस ने वाहन जप्त कर लिया है, मामले की जांच एएसआई वसना चौहान को सौंपी है।

घर-घर जाकर किया स्वास्थ्य परीक्षण

माही की गूंज, काकनवानी

स्वास्थ्य केंद्र मेघनगर के डॉक्टर एवं नर्स टीम द्वारा ग्राम चौखवाडा में आरोग्य झाबुआ की पहल पर संजीवनी हेल्थ कैंप लगाया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, स्वास्थ्य परीक्षण में कई छोटे बच्चों का चेकअप किया व टीके लगाए गए तो कई लोगों की अलग-अलग बिमारियों का इलाज भी किया। इस कैंप में आंगनवाड़ी की सभी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा, तेज तपती धूप में भी घर-घर जाकर लोगों को बुलाकर स्वास्थ्य परीक्षण करवाया।

महावीर जयंती पर आज निकलेगा जुलूस

माही की गूंज, थांदला-महावीर जयंती पर सकल जैन समाज द्वारा आज प्रात आजाद चौक से भव्य जुलूस निकाला जाएगा। आयोजन की जानकारी देते हुए संघ अध्यक्ष जितेंद्र घोड़ावत ने बताया कि, महावीर जयंती पर निकलने वाला जुलूस नगर के विभिन्न मार्गो से होता हुआ, पोषध भवन पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगा। जहां बिराजीत पूज्य धर्मेंद्र मुनि जी महाराज साहब धर्म सभा को संबोधित करेंगे वहीं शाम को सकल जैन समाज का स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी होगा।

चार धाम यात्रा के लिए यात्रियों का दल रवाना नगर वासियों ने यात्रियों को दी शुभकामनाएं

माही की गूंज, सारंगी

वेशाख महीना देव दर्शन यात्रा के लिए शुभ माना जाता है। सारंगी से 20 यात्रियों का दल चार धाम के लिए बस से रवाना हुआ। यात्रा पर जाने से पहले यात्रा दल के सभी सदस्यों का नगर मैं भव्य स्वागत किया गया। सभी यात्री यात्रा पर जाने से पहले नगर के सभी मंदिरों में जाकर दर्शन लाभ लिया, सभी यात्रियों को बैंड बाजों के साथ नगर भ्रमण कराया गया पूरे नगर में सभी यात्रियों का फूलों से स्वागत किया गया। चार धाम यात्रा पर जाने वाले दल के सदस्य रमेश रावटियां ने संवाददाता को बताया हमारी यात्रा 2 महीने 10 दिन की रहेगी। जिसमें केदारनाथ, बद्री विशाल, यमुनोत्री, जमुनोत्री, हरिद्वार, ऋषिकेश, रामेश्वरम, नेपाल, काठमांडू, सोमनाथ, मलिकार्जुन, सौराष्ट्र, त्रंबकेश्वर, उज्जैन, बैजनाथ आदि 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर देश के सभी प्रांतों में घूम कर दर्शन लाभ लेकर यात्री दल सकुशल आएंगे हमारी यह पूरी यात्रा बस के द्वारा होगी। यात्री दल को नगर के सभी समाज वर्ग एवं नगर पत्रकार संघ ने मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी।

काकनवानी। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष नरेश पंचाल ने अन्न गरीब कल्याण योजना के अंर्तगत राशन वितरित किया।

गुजरात के मोरवी में युवक का फंदे पर झूलता मिला शव, परिजनों ने पत्नी और सुसराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप

स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई के लिए संबंधित थाने से संपर्क करने की दी समझाइश

माही की गूंज, पेटलावद

रोजगार की तलाश और ज्यादा पैसा कमाने के उद्देश्य से जिले के हजारों आदिवासी रोजाना अन्य राज्यों में काम की तलाश में चले जाते हैं, जह कई बार हादसों में जान तक गवानी पड़ती है और वो कभी लौट के नही आते। ऐसा ही एक मामला पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम बावड़ी का सामने आया है जहा युवक टाइल्स फैक्टरी में कार्य करने के लिए गया था, लेकिन वहां से उसकी मौत की खबर आई, जिससे परिवार पर जवान लड़के की मौत का पहाड़ टूट पड़ा। फ्लिहाल गुजरात पुलिस ने मौत का कारण युवक का फासी लगाकर आत्महत्या करना बताया है, लेकिन परिवार को ये बात गले नही उतर रही और लड़के के पिता ने बेटे की हत्या का आरोप उसी की पत्नी और परिजनों पर लगाया है।

पेटलावद थाने पर आवेंदन देकर पत्नी और उनके परिजनों पर लगाया आरोप

मामले में बालु मैडा निवासी बावडी ने थाना पेटलावद पर आवेंदन देकर बताया कि, मेरे पुत्र पवन की शादी नरसिंह निनामा निवासी हमीरगढ की पुत्री पुजा निनामा से हुई थी विवाह के पश्चात दोनो के दो संतान भी है। विवाह के बाद मेरे पुत्र का ससुर नरसिंह निनामा बेटी व जमाई को अपने साथ गुजरात के

मोरवी गुजरात की टाइल्स फेक्ट्री के कमरे से बरामद हुआ पवन का शव

मौरवी ले गया जहा दो साल काम किया उसके बाद मेरे लडका वापस आ गया। जिसके बाद मेरे पुत्र पवन और उसकी पत्नि के मध्य आपसी विवाद हो गया था। जिसके बाद विपक्षी नरसिंह निनामा और उसके परिवार वाले मेरे पुत्र पवन के साथ मारपीट कर उसकी पुत्री को लेकर चले गये। इस दौरान सरदारपुर क्षेत्र मजदूरी के दौरान पति-पत्नी के आपसी विवाद में राजोद थाने मेरे पुत्र के विरूद्ध मामला दर्ज हुआ था, जिसका प्रकरण सरदारपुर न्यायालय में चल है। पवन लगभग 8 माह से वापस मौरवी में ही मजदुरी का कार्य कर रहा था और 25 मार्च को सरदारपुर न्यायालय में उपस्थित हुआ था और वापस मोरवी चला गया। जहा 9 मार्च 2022 को रात में लगभग 12 बजे मोरवी पुलिस का फोन आया कि, मेरे बेटे की मौत हो चुकी है और हमको बताया गया कि, पवन द्वारा फांसी लगा ली गई है । वही बालु मैडा का कहना है कि, मेरा पुत्र पवन किसी तरह से परेशान नही था और रोज मेरी पवन से बात होती थी वो किसी भी प्रकार से आत्महत्या नही कर सकता।

लगाया हत्या का आरोप

पवन के पिता बालू मैडा ने आवेंदन बताया कि, मुझे शंका है, मेरे पुत्र की हत्या की गई है और विपक्षी द्वारा आये दिन मेरे पुत्र को फोन पर धमकी दी जाती थी और पुत्र की मौत की सुचना मिलने पर भी उसकी पत्नी और परिजन अतिंम संस्कार में भी नही आयें। बालू मैडा ने बताया पुत्र विवाह से पूर्व कभी मोरवी नही गया था और शादी के बाद उसका ससुर

मृतक पवन मैडा

नरसिंह निनामा ही उसको मोरवी ले गया था और उसके बताये स्थान पर ही कार्य कर रहा थां। मेरे पुत्र की मौत के पिछे उसकी पत्नी और पिता सहित अन्य परिजनों का हाथ है और या तो इनके इशारे पर या इनके सहयोग से ही मेरे पुत्र की हत्या की गई है।

वहां नहीं था किसी से विवाद

मृतक के परिजनों ने बताया कि, बेटे का शव लेने के मोरवी गए थे। जहां हमारे द्वारा मोरवी में मेरा पुत्र कार्य करता था वहा पुरी तरह से जाचें पड़ताल की थी। पुत्र का वहा किसी से भी कोई विवाद झगडा होंने की जानकारी नही मिली। केवल उसका सुसर और पत्नी ही मेरे पुत्र पर धौंस जमाते व धमकी देते रहते थे। जिसकी प्रमुखता से जाच होना चाहिये।

पुलिस ने सम्बंधित थाने से संपर्क करने की समझाईश देकर किया रवाना

मृतक के पिता ने बताया कि, गुजरात पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों को हत्या की आशंका होने पर स्थानीय पुलिस से शिकायत करने का कहा गया। जिसके बाद 12 अप्रैल को पेटलावद थाने पर मृतक के पिता ने आवेंदन दिया। जैसे पहले थाने पर लेने से इंकार कर दिया गया, बाद में आवेंदन पर मोरवी थाने पर ही सम्पर्क करने की समझाइश देने का आवेंदन पर लिख कर रवाना कर दिया ।

खेल सामग्री भ्रष्टाचार में मेघनगर बीईओ पर क्यों मौन जिला प्रशासन

माही की गूंज मेघनगर, भुपेन्द्र जैन

जिले में खेल सामग्री का भ्रष्टाचार राजनैतिक रसुक रखने वालो ने किस तरह से आम लोगो को बेवकुफ मानकर भ्रष्टाचार किया गया है जिसका खुलासा तो हो ही चुका है। इसी भ्रष्टाचार कि कडी में मेघनगर ब्लॉक के माध्यमिक और प्राथमिक शाला मे बच्चों के लिए दी जाने वाली खेल सामग्री पर भ्रष्टाचार का इतिहास यहा भी रचा गया है पर कार्रवाई के नाम पर सप्लायर्स को मामला उजागर होने के बाद मामले में अपराधी मान मामला दर्ज कर लिया गया परंतु जिन अधिकारीयो व राजनैतिक रसुकदारो के निर्देशन व निरिक्षण में मेघनगर क्षैत्र कि स्कूलों में बच्चों के लिए घटिया खेल सामग्री वितरित करवाई गई के जवाबदारो पर मेहरबानी बरती जा रही है।

मेंघनगर क्षेत्र में अधिकारी और कर्मचारी ने कागजी कार्रवाई करते हुए लाखों रुपये की खेल सामग्री को एक कागज पर ही वितरित कर दी। मेघनगर में कुछ व्यवसाय करने वाले दुकानदारो द्वारा फर्जी बिल बनाकर प्रशासन को चुना लगाया और उन व्यवसाय करने वाले पर एफआईआर भी हुई। किंतु मेघनगर क्षेत्र में बैठे अधिकारी उनके ऊपर क्यों नहीं कुछ कार्यवाही हुई का प्रश्न क्षेत्र में हर व्यक्ति उठा रहा है। और कहा जा रहा है कि, क्या यह घटिया खेल सामग्री वितरण की जानकारी वरिष्ठ अधिकारीयो को नही थी...? वही क्या बीईओ मंगल सिंह नायक इस मामले में बेखबर थे...? मेघनगर ब्लॉक के बीआरसी कार्यलय में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर धीरज नायक ने फर्जी बिल बनाकर एवं प्रतिष्ठान का नाम रखकर खेल सामग्री को वितरित किया गया। बावजुद बीआरसी, बीईओ के अधीन ही उक्त भ्रष्टाचार को अंजाम देने के बावजुद भी अभी तक इन जवाबदारो को उक्त भ्रष्टाचार के मामले में कोई मामला दर्ज नही किया जा कर इनहे बचाने का प्रयास गठजोड के साथ किया जा रहा है। मामले में मेघनगर ब्लॉक के अधिकारियों से जब बात की जाती है तो वह इस बारे में कोई जानकारी हमें नहीं है कहकर पल्ला झाड़ रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा भी जांच के आदेश दिए जा चुके हैं परंतु मेघनगर ही क्यों इस जांच से बाकी है। मध्य प्रदेश के शिक्षा मंत्री इस जिले के प्रभारी मंत्री होते हुए भी मेघनगर के इस भ्रष्टाचार के खेल में कोई कार्रवाई जवाबदारो पर नही कि जा रही है। बताया जा रहा है भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक के रसुक के साथ ही उक्त भ्रष्टाचार को क्षेत्र में अंजाम दिया गया है तो अब जिलाध्यक्ष बीईओ को बचाने की जुगत में लगे हुए है।

बीईओ मंगल सिंह नायक व बीआरसी को खेल सामग्री भ्रष्टाचार में अब तक दी जा रही क्लीन चीट

देवीगढ़ स्वयभूं माताजी का यह रहा इतिहास

माही की गूंज, थांदला मुकेश भट्ट

थांदला से 6 किलोमीटर दूर स्थित शंभू माता मंदिर जन-जन की आस्था का केंद्र बना हुआ है। तीन देवियां इस मंदिर में विराजमान होने से इसे देवीगढ़ के नाम से जाना जाता है। क्षेत्र में माता रानी के भक्तों के लिए सदा पूजनीय रहा यह देवी निसंतान दंपतियों के लिए वरदान साबित हुआ है। इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालु और भक्तों की हर मुराद पूरी होती है तथा यहां पर राजस्थान, गुजरात और पूरे मालवा क्षेत्र के लोग इस मंदिर में अपनी मुरादे पूरी करने व दर्शन करने आते हैं।

झाबुआ जिले के थांदला नगर से 6 किलोमीटर की दूरी पर मेघनगर विकासखंड के ग्राम देवीगढ़ में पद्मावती नदी तट से लगी ऊंची पहाड़ी पर प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल पर स्वयंभू माता का प्राचीन देवालय स्थित है। जहां माता जी के वाहनों शेरों की प्राकृतिक गुफा भी विराजमान है। आज भी नवरात्रि के समय यहां शेर आते है यह देवस्थान अंचल में छोटी पावागढ़ के नाम से भी माना जाता है। प्रचलित जन श्रुतियों मान्यताओं के अनुसार ककरेज क्षेत्र के नाम से पहुंचाने जाने वाले इस गांव में कुलंबी पाटीदार जनों की आबादी निवास करती थी, जिनके यहां कृषि एवं पशुपालन में सहायक के रूप में जनजाति समाज के लोग हलीपना का काम करते थे। यहां के लोग प्रतिवर्ष बैल गाड़ियों में खाने-पीने का सामान रखकर सीमावर्ती गुजरात के पावागढ़ में देव दर्शन के लिए यात्रा किया करते थे। इन्हीं में से एक भक्तों ने माता जी से पावागढ़ में प्रार्थना की कि, मेरी वृद्धावस्था है जिसके चलते आप के दरबार में दर्शनार्थ नहीं आ सकूंगा। आप हमारे गांव में ही विराजमान होंगे हम वही आपकी सेवा पूजा अर्चना करेंगे कि प्रार्थना की। श्रद्धा भक्ति से की गई प्रार्थना को स्वीकारते हुए स्वप्न में माताजी ने कर्मा नामक भक्त को दर्शन देते हुए चैत्र पूर्णिमा पर गांव की नदी तट से लगी पहाड़ी से निकाल कर स्थापित करने को कहा। इस स्वप्न की चर्चा अंचल में तेजी से फैली, भारी संख्या में चेत्र पूर्णिमा पर लोगों का हुजूम पहाड़ी पर पहुंचा। उधर स्वप्न में बताए स्थान पर खुदाई करने पर पावागढ़ की माता जी के स्वरूप की प्रतिमा निकली और उक्त प्रतिमा को वही चबूतरा बनाकर स्थापित किया गया। उसके पश्चात से स्वयं भूमि से प्रकट होने पर यह देवी स्थान स्वयंभू माता के नाम से विख्यात हुआ। गांव का नामकरण भी तीन देवी एक साथ निकलने से देवीगढ़ नाम रखा गया। देवी उद्गम के पश्चात श्रद्धालुओं की संख्या दर्शनार्थ बढ़ने लगी तब झाबुआ रियासत के राजा ने लाव लश्कर के साथ स्वयं आकर दर्शन किए एवं चैत्र पूर्णिमा पर प्रतिवर्ष माता जी के मेले का आयोजन रखा जाने लगा। तभी से यहां स्वयंभू माता का मेला चेत्र सुदी त्रयोदशी से वैशाख की द्वितीय तिथि में पंच दिवसीय मेले का आयोजन होता है। जिसमें झाबुआ जिले के साथ सीमावर्ती राजस्थान,गुजरात,मालवा अंचल से हजारों की संख्या में मेले में श्रद्धालु यात्री आते हैं। यह मेला वनांचल के प्रसिद्ध मेले में सम्मिलित है। मेले के अलावा बारह मास भी श्रद्धालुओं का आवागमन विभिन्न तिथी त्योहारों पर भी होता है। कालांतर में प्राकृतिक आपदा महामारी आदि के चलते यहां कुलंबी पाटीदारों की बस्ती उजड़ गई। इन लोगों ने झाबुआ,रतलाम,धार जिले के विभिन्न गांव में जाकर विस्थापन किया। उसके बाद से जनजाति समाज के सिंगाडीया परिवार द्वारा पूजा अर्चना का कार्य किया जाता है।

युवक को दोस्ती कर झांसे में लेकर किया अश्लील वीडियो कॉल

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर किया ब्लैकमेल

माही की गूंज, पेटलावद/करवड़

सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के बीच लोगो के साथ अलग-अलग तरह से ठगी की जा रही हैं और युवा वर्ग इन ठगोरो के झांसे में आकर ब्लैकमेलिंग तक का शिकार हो रहे है। आये दिन मीडिया में ऐसी ठगी की खबरे आती हैं लेकिन फिर भी ऐसे मामलों में लगातार वर्द्धि हो रही। मामला पेटलावद थाने की करवड़ चौकी का है जहा एक युवक ऐसी ही एक ठगी ओर ब्लैकमेलिंग का शिकार होने वाला था, लेकिन उसने अपने परिचितों से बात कर मामले की लिखित शिकायत कर करवड़ चौकी पर दर्ज करवाई। युवक ने चौकी में आवेंदन देते हुए बताया कि, पिछले दिनों उसकी फेसबुक आईडी पर अंजली अग्रवाल नाम वाली आईडी से फ्रेंड रिक्वेस्ट आई और फिर इस आईडी से मैसेंजर पर बातचीत कर व्हाट्सअप नंबर लेकर मैसेज चेट किया और फिर व्हाट्सएप वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अश्लील वीडियो कॉल किया। पीड़ित युवक ने बताया कि, कॉल कटने के कुछ ही देर बाद वीडियो भेज कर वीडियो सोशल मीडिया पर वाइरल करने की धमकी देकर 5 हजार रुपये की मांग की गई। हालांकि युवक के जल्द ही समझ मे आ गया कि, उसके साथ ब्लैकमेलिंग कर वसूली करने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार की ब्लैकमेलिंग में कई युवा फस कर हजारों रुपये इन फर्जी आईडी वालो के खातो में ट्रांसफर कर देते हैं। पुलिस में शिकायत होने के बावजूद पुलिस साइबर क्राइम करने वाले अपराधियों तक आज तक नही पहुँच सकी, जिससे ऐसी घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है।

ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने रोजगार सहायक और सचिव को हटाने की मांग

अंत्येष्टि की राशि खुद खा गया सचिव, रोजगार सहायक कार्य के प्रति लापरवाह

माही की गूंज, पेटलावद

विकास खण्ड की ग्राम पंचायत केशरपुरा के सचिव गजेंद्र कटारा और रोजगार सहायक भेरूलाल मुणिया पर ग्राम प्रधान और ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए दोनों को हटाने की मांग की है। जनपद अध्यक्ष मथुरीबाई निनामा ने भी इस संबंध में शिकायत के साथ अपना पत्र देते हुए सचिव और रोजगार सहायक की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी और जनपद सीईओ को की है। ग्राम प्रधान और ग्रामीणों का आरोप है कि, रोजगार सहायक का पूर्व में भी भ्रष्टाचार की शिकायतो के चलते हटाया गया था, जिसे पुनः केशरपुरा पंचायत में पदस्थ कर दिया गया, जो आते ही

फिर से ग्रामीणों को परेशान करना शुरू कर दिया। जिसे यहां से हटाना ही उचित होगा इस संबंध में ग्राम पंचायत प्रधान ओर ग्रामीणों ने शिकायत की है।

अंत्येष्टि की राशि हडप कर गया सचिव - ग्राम पंचायतों के माध्यम से आमजन को मिलने वाली सुविधाओं का उपयोग सचिव अपने फायदे लिए कर रहे है, अपने फायदे के लिए मृतक के हिस्से की राशि तक नही छोड़ते। यहां केशरपुरा में पदस्थ सचिव गजेंद्र कटारा पर उसी पंचायत की प्रधान ने आरोप लगाया है कि, सचिव गजेंद्र कटारा ने 5 मृतकों की अंत्येष्टि सहायता राशि 5-5 हजार रुपये निकाल ली, लेकिन एक ही परिवार को योजना का लाभ दिया बाकी 4 परिवार की राशि खुद ही डकार गया। ग्रामीणों का आरोप है कि, सचिव द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नही दिया जा रहा।

जलाभिषेक अभियान के अंतर्गत तालाब गहरीकरण का किया भूमि पूजन

माही की गूंज, पारा

कहते है ना देर से आए दुरुस्त आए। ग्रामीण लोगो को कई वर्षो से तालाबों के गहरीकरण का इंतजार था। ग्रामीणों के इंतजार की घड़ी खत्म हुई, सूत्रों के अनुसार मिली जानकारी, पारा के आस-पास के क्षेत्रों में सरकार की जनहितेशी योजना जलाभिषेक अभियान के अंतर्गत क्षेत्र में बने सभी पंचायत में तालाब गहरी करण के खर्च लागत सहित आदेश दे दिए गए है। इसी तरह ग्राम नरसिंहपुरा में तालाब गहरीकरण जीर्णोदार कार्य का भूमि पूजन भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष संदीप सोनी के हाथो किया गया। नरसिंहपुरा सरपंच एंव किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शेकु रावत, भाजपा

महामंत्री रोमी सेंन व तडवी, ग्रामीण जन उपस्थित थे। नरसिंहपुरा तालाब के गहरीकरण की लागत 3 लाख 53 हजार रुपयों की लागत से होगा। तालाब गहरीकरण का कार्य हनुमान जयंती के पश्चात कार्य शुरू किया जाएगा। गहरीकरण का ठेका झाबुआ के इंजीनियर दिलीप चौहान को दिया गया।

श्री गवली को दी विदाई, नवागत एसडीओपी रविन्द्र राठी का किया स्वागत

माही की गूंज, थांदला।

जनसेवा व देशभक्ति के रूप में पुलिस जनता की सेवा व सुरक्षा के लिए बेहतर तरीके से काम करती है। एसडीओपी पुलिस के रूप में अंचल में सेवा देने आए श्री गवली ने न केवल अंचल में क्राइम कंट्रोल पर काम किया अपितु अपना पर्यावरण प्रेम व सोशल पुलिसिंग की सॉफ्ट छवि से सबके दिलों में जगह भी बनाई। फिर चाहे कोरोना काल का वह दो वर्ष का चुनोती पूर्ण दौर रहा हो या फिर किसी उपद्रवी घटनाओं को नियंत्रित करने की बात। वे हर जिम्मेदारी को पूरी सजगता से निभाते आये है। अपने अधीनस्थ मेघनगर व थांदला क्षेत्र में गवली ने अधिकारी छवि के बजाय धरातल पर उतर कर कार्य करना बेहतर समझा व सीएम की सभा हो या अन्य कोई बड़े राजनैतिक धार्मिक सामाजिक आयोजन अथवा कोरोना संक्रमण का वह कभी न भुलने वाला समय नगर की जनता से सीधे मुखातिब होकर उनके वाहन से सुबह शाम निकलती आवाज से अंचल की जनता में उनकी अलग ही पहचान बन गई थी यही कारण है कि 4 वर्ष की लंबी सेवा देने के3 बाद भी उनका कोई विरोधी नही जो एक पुलिस के कार्यकाल में बहुत ही कम देखने को मिलता है। अंचल से मिले इस अपार स्नेह से अभिभूत एसडीओपी एम एस गवली ने पुलिस थाना सभागृह में उनके लिए आयोजित विदाई समारोह में कहा कि आदिवासी अंचल झाबुआ की संस्कृति से परिचय का कौतूहल यहाँ की पोस्टिंग के साथ ही दिमाग में चलने लगा था परंतु थांदला के अपने सहयोगी स्टॉफ के साथ यहाँ के जनप्रतिनिधियों, व समाजसेवी लोगों का जो अपेक्षित साथ सहयोग उन्हें मिला वह अबतक की प्रशासनिक सेवा में सबसे ज्यादा यादगार सफर रहा। जिलें के पहले

आईएसओ एसडीओपी कार्यालय के साथ थाना थांदला को भी आईएसओ अवार्ड से सम्मानित करवाने में अहम भूमिका निभाने वालें एसडीपीओ गवली के विषय में बताते हुए स्वागत सम्मान में थांदला थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने उनके अनुशासन का जिक्र करते हुए हर विकट परिस्थितियों में उनसे मिले सकारात्मक सहयोग का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होनें कहा कि अधिकारी की तरह नही एक भाई की तरह व्यवहार करते हुए साहब ने हमेशा सभी पुलिस कर्मचारियों का हौसला बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि करीब चार वर्ष सेवा देने के बाद एसडीओपी एम.एस. गवली का स्थानांतरण महेश्वर हो गया है। उनके स्थान पर अब झाबुआ डीएसपी रहे रविंद्र राठी ने एसडीओपी का पदभार ग्रहण किया।

नवागत एसडीओपी राठी का हुआ स्वागत-एम एस गवली के विदाई समारोह के साथ ही नवागत एसडीओपी रविंद्र राठी का स्वागत समारोह भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के साथ उपस्थित पुलिस स्टॉफने भी फूलों की माला पहनाते हुए एसडीओपी द्वय का स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीओपी राठी ने कहा कि क्राइम कंट्रोल पुलिस की जिम्मेदारी होती है वही जनता से सीधा संवाद इसमें कमी लाता है इसलिए वे भी पूर्व एसडीपीओ की तरह सोशल पुलिसिंग को प्राथमिकता के साथ स्थानीय पत्रकारों से समन्वय स्थापित करते हुए शून्य क्राइम पर काम करेंगे। इस अवसर पर पूर्व पार्षद अक्षय भट्ट, सिद्धार्थ कांकरिया, समाजसेवी दिलीप डामोर, भारतीय गौ रक्षा वाहिनी जिला अध्यक्ष राजू धानक ने भी संबोधित कर अपनी संस्थाओं कि ओर से एसडीपीओ द्वय के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की। समारोह का संचालन नाहर ने व मेघनगर थाना प्रभारी टी एस डावर ने आभार माना।

संपादकीय

आजाद मीडिया से ही होगी लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में पुलिस द्वारा थाने में एक पत्रकार व रंगकर्मियों के साथ अशोभनीय व अमानवीय व्यवहार ने हर संवेदनशील नागरिक को विचलित किया। थाने में गिरफ्तार किए गए एक रंगकर्मी की गिरफ्तारी के विरोध में धरना दे रहे रंगकर्मियों व घटना को कवर कर रहे एक पत्रकार को गिरफ्तार करके थाने में निर्वस्त्र किया गया। मारपीट के बाद निर्वस्त्र अवस्था में फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया। बताया जाता है कि, यह सब स्थानीय विधायक के इशारे पर किया गया जिसके खिलाफदेश के कई पत्रकार संगठनों व एडिटर्स गिल्ड ऑफइंडिया यानी ईजीआई ने विरोध जताया है और घटना को व्यथित करने वाला बताया है। इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय से मांग की गई कि, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मीडिया की आजादी का सम्मान करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश जारी किए जाएं। ऐसा ही मामला ओडिशा में एक टीवी पत्रकार के साथ अमानवीय व्यवहार का भी सामने आया है। ये घटनाएं हमें सोचने को विवश करती हैं कि, क्यों भारत वर्ल्ड प्रेस इंडेक्स की 2021 की सूची में 180 देशों में 142वें स्थान पर है। गाहे-बगाहे छोटे-बड़े शहरों में मीडिया कर्मियों के साथ भड़ास निकालने की कार्रवाई में उत्पीड़न के आरोप लगाए जाते रहे हैं। फिर छोटे गांव-कस्बों में जहां पुलिस का दबदबा होता है, वहां कैसी स्थिति होगी, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। हो सकता है सीधी की घटना में रंगकर्मियों व मीडियाकर्मी ने अपनी सीमाएं लांघी हों, लेकिन उनके साथ ऐसा अशोभनीय व्यवहार करने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। मीडियाकर्मी जनता के प्रतिनिधि के रूप में सूचनाओं का संकलन करते हैं, ऐसे में उनके साथ ऐसा व्यवहार होता है, तो आम आदमी की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र की खूबसूरती स्वतंत्र मीडिया में निहित है, जो समाज में एक जागरूक व चेतनाशील सोच के निर्माण में भूमिका निभाता है। ऐसे में उनके साथ ऐसा व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों का ही हनन है। हाल के दिनों में वैचारिक प्रतिबद्धता की राजनीति में मीडिया को निशाने पर लेने का फैशन हो चला है। निःसंदेह, काली भेड़ें सभी जगह पाई जाती हैं। फिर भी किसी भी व्यक्ति को निरंकुश व्यवहार की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह भी तय है कि, सूचना व आंकड़े स्वतंत्र व पवित्र होते हैं। इनमें राजनीति व विचारधारा विशेष का घालमेल मीडिया की विश्वसनीयता पर आंच के दायरे में लाता है। इसके लिए मीडिया संगठनों को आचार संहिता को बनाना और लागू करना चाहिए। इससे पहले कि मीडिया की आजादी को बाहर से नियंत्रित करने का प्रयास हो, मीडिया संगठनों को स्वानुशासन का पालन करवाना चाहिए। समय कोई भी हो, पत्रकारिता एक ऋषिकर्म की तरह रही है और जीवन के उच्च मानकों पर चलने की बात करती है। आजादी के बाद पत्रकारिता पर व्यावसायिकता का असर बढ़ा है, लेकिन इसके बावजूद आज भी कई संस्थान व पत्र-पत्रिकाएं वैचारिक स्वतंत्रता व मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं। कुछ मीडिया घरानों की घोर व्यावसायिकता के बावजूद वे पत्रकारिता के मूल्यों की प्रतिबद्धता को समर्पित हैं। फिर भी यदि कोई लक्ष्मण रेखा लांघता है तो प्रेस काउंसिल व अन्य नियामक संगठनों को इस बाबत हस्तक्षेप करना चाहिए। लेकिन यदि अधिकारों के प्रति सजग व जनता के प्रति प्रतिबद्ध पत्रकारिता को हतोत्साहित करने का प्रयास किया जाता है तो उसके खिलाफआवाज मुखर होनी चाहिए। भले ही संपादक नामक संस्था के बिना निरंकुश व्यवहार करता सोशल मीडिया हमारी चिंता का विषय हो, लेकिन इसके बावजूद परंपरागत मीडिया कुछ अपवादों को छोड़कर सरोकारों की पत्रकारिता के प्रति कृतसंकल्प है। यह अलग बात है कि, एक नौकरी के रूप में पत्रकार की भी कुछ सीमाएं हैं, लेकिन फिर भी मूल्यों से समझौता कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में चौथे स्तंभ की गरिमा व स्वतंत्रता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये देश की तमाम लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदार भूमिका का निर्वहन करना होगा। यह भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु भी अनिवार्य शर्त है।

प्लास्टिक की खोज और उसके पर्यावरणीय खतरे

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में वातावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कुछ प्रमुख कारकों में से प्लास्टिक एक प्रमुख कारक है। 'प्लास्टिक' शब्द ग्रीक शब्द प्लास्टिकोज और प्लास्टोज से बना है, जिसका अर्थ है जो लचीला है या जिसे ढ़ाला, मोड़ा या मनमर्जी का आकार दिया जा सके। 21वीं सदी में पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में प्लास्टिक बहुत बड़ी समस्या के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसके खतरों से पूरी दुनिया त्रस्त है। कनाडा के हैलीफैक्स शहर में तो वर्ष 2018 में प्लास्टिक कचरे के ही कारण इमरजेंसी लगानी पड़ी थी। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या दिनों-दिन विकराल हो रही है, जो न केवल हर दृष्टि से प्रकृति पर भारी पड़ रही है बल्कि मानव जाति के साथ-साथ धरती पर विद्यमान हर प्राणी के जीवन के लिए भी बड़ा खतरा बनकर उभर रही है। यही कारण है कि भारत सरकार द्वारा देश को 'सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त भारत' बनाने की दिशा में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए जाने की घोषणा की जा चुकी है। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार उसके बाद पॉलीस्टाइनिन और एक्सपैंडेड पॉलीस्टाइनिन सहित सिंगल यूज वाले प्लास्टिक के उत्पादन, आयात, भण्डारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा।

प्लास्टिक में बहुत सारे ऐसे रसायन होते हैं, जो कैंसर और हृदय रोग सहित कई गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। आज प्लास्टिक कचरे से देश का कोई भी हिस्सा अछूता नहीं है और प्लास्टिक अब आम जनजीवन का इस कदर अहम हिस्सा बन चुका है कि तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर अंकुश लगाने में सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही है, न ही अब तक इसका कोई भरोसेमंद विकल्प खोजा जा सका है। यह जान लेना भी दिलचस्प और जरूरी है कि, प्लास्टिक की खोज कब और कैसे हुई थी? हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर प्रकाशित अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने इसका उल्लेख विस्तार से किया है। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक के मुताबिक मनुष्य निर्मित प्लास्टिक 'पार्केसाइन' का पेटेंट सबसे पहले वर्ष 1856 में बर्मिंघम इंग्लैंड के अलेक्जेंडर पार्क्स ने कराया था, जो 1862 में अपने वास्तविक रूप में दुनिया के सामने उस समय आया था, जब पहली बार 1862 में लंदन की अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में उसे रखा गया था। प्राकृतिक रबर, जिलेटीन, कोलेजीन, नाइट्रोसेल्युलोज जैसे पदार्थ प्लास्टिक के पहले उपलब्ध पदार्थ थे। 1866 में अलेक्जेंडर पार्क्स ने पार्केसाइन कम्पनी बनाकर इसका बड़े स्तर पर उत्पादन शुरू किया। पॉलिथीन दुनिया का सबसे लोकप्रिय प्लास्टिक है, जिसे सबसे पहले जर्मनी के हैंस वोन पैचमान ने वर्ष 1898 में अचानक ही खोज लिया था। प्रयोगशाला में एक प्रयोग करते समय उन्होंने सफेद रंग के मोम जैसा एक पदार्थ बनते देखा, जिसका नाम पॉलिथीन रखा गया।

1900 में पूरी तरह से सिंथेटिक, फिनोल और फॉर्मेल्डीहाइड का उपयोग करके प्लास्टिक बनाना शुरू कर दिया गया था और जर्मनी तथा फ्रांस में कैसीन से निर्मित प्लास्टिक का व्यावसायिक उत्पादन प्रारंभ हो गया था। बेल्जियम मूल के अमेरिकी नागरिक डॉ. लियो हेंड्रिक बैकलैंड ने भी प्लास्टिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिन्होंने 1907 में फेनॉल तथा फॉर्मेल्डीहाइड की अभिक्रिया में कुछ परिवर्तन करके सिंथेटिक पद्धति से एक ऐसा प्लास्टिक निर्मित किया, जिसका उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता था। उन्होंने फेनॉल तथा फॉर्मेल्डीहाइड को मिलाकर गर्म किया, जिसे ठंडा करने पर एक कठोर पदार्थ मिला। बाद में उन्होंने इसमें लकड़ी का बुरादा, एस्बेस्टस और स्लेट पाउडर मिलाकर कई और चीजें भी बनाई। बेकलैंड के नाम पर ही उस नए प्लास्टिक का नाम 1912 में 'बैकेलाइट' रखा गया था। अपने इस आविष्कार के बाद बैकलैंड ने कहा भी था कि अगर वह गलत नहीं हैं तो उनका यह अविष्कार (बैकेलाइट) भविष्य के लिए अहम साबित होगा। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद प्लास्टिक बनाने की तकनीक में जबरदस्त विकास हुआ।

औद्योगिक रूप से पॉलिथीन का आविष्कार 27 मार्च 1933 को ब्रिटेन के चेशायर प्रांत के नॉर्थविच शहर में दुर्घटनावश हुआ था। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में बताया गया है कि कैमिस्टों की एक टीम आईसीआई वेलरस्कॉट प्लांट में पॉलीमर की खोज कर रही थी। उसी खोज के दौरान एक रात उनका यह प्रयास दुर्घटनावश विफल हो गया लेकिन उसी खोज के दौरान सफेद रंग का एक पदार्थ निकला, जो खोजकर्ताओं के अनुसार बिल्कुल सही नहीं था। वहां मौजूद युवा कैमस्टि जॉर्ज फीचम इस आविष्कार के गवाह बने थे। हालांकि उस वक्त वह भी नहीं जानते थे कि यह तरल पदार्थ क्या है और यह अच्छा है या बुरा। इसी पदार्थ ने औद्योगिक रूप से पॉलिथीन का रूप ले लिया। दैनिक जीवन में इस्तेमाल की जा सकने पॉलिथीन की इसी खोज को दुनियाभर में मान्यता मिली।

प्लास्टिक की खोज मानव सभ्यता के लिए एक क्रांतिकारी खोज इसलिए मानी गई थी क्योंकि उससे पहले जो वस्तुएं लोहा, लकड़ी इत्यादि अन्य पदार्थों से बनाई जाती थी, ऐसी बहुत सी वस्तुएं प्लास्टिक से बनाई जाने लगी। दरअसल प्लास्टिक अन्य पदार्थों की तुलना में कई कारणों से बेहतर था। इससे बनाई जाने वाली वस्तुएं न तो जल्दी से टूटती हैं, न ही लकड़ी या कागज की भांति सड़ती हैं और न ही किसी भी वातावरण के अंदर इन वस्तुओं पर लोहे की भांति जंग लगता है। प्लास्टिक के ऊपर जल्दी से किसी भी प्रकार के वातावरण का प्रभाव नहीं पड़ता। प्लास्टिक से बनी वस्तुएं लोहे या अन्य धातुओं से बनी वस्तुओं के मुकाबले सस्ती और लंबे समय तक टिकने वाली होती हैं, इसीलिए आधुनिक युग में प्लास्टिक का उपयोग निरन्तर बढ़ता गया। प्लास्टिक चूंकि विद्युत का कुचालक होता है और इसकी आयु भी बहुत लंबी होती है, इसलिए इसकी इन्हीं खूबियों को देखते हुए इससे विद्युतीय उपकरण भी बनाए जाते हैं।

प्लास्टिक की सबसे बड़ी विशेषता है इसे आसानी से किसी भी आकार में बदल सकना तथा इसके अंदर कोई और पदार्थ मिलाकर अन्य वस्तुएं बना लेना, जो बहुत टिकाऊ साबित होती हैं। यही कारण है कि प्लास्टिक आज हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन चुका है, जिसका इस्तेमाल हमारी रोजमर्रा की हर तरह की जरूरतें पूरी करने में हो रहा है। पिछली सदी में जब विविध रूपों में प्लास्टिक की खोज की गई थी तो इसे मानव सभ्यता और विज्ञान की बहुत बड़ी सफलता माना गया था किन्तु आज यही प्लास्टिक पृथ्वीवासियों के जी का जंजाल बन गया है, इसीलिए इससे छुटकारा पाने के लिए शुरूआती चरण में सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति की दिशा में कदम आगे बढ़ाए गए हैं। दरअसल 'स्वच्छ भारत अभियान' में पॉलिथीन आज सबसे बड़ी बाधा है और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाए जाने का कारण यही है कि यदि इसका प्रयोग नहीं रोका गया तो भू-रक्षण का नया स्वरूप सामने आएगा और फिर जमीन की उत्पादकता वापस प्राप्त करना नामुमकिन होगा। विकास के साथ-साथ देश के तमाम शहरों में प्लास्टिक कचरा बढ़ रहा है और इसी कारण चारों ओर बिखरी पॉलीथीन के चलते लगभग सभी शहरों में ड्रेनेज सिस्टम ठप्प पड़े रहते हैं। नॉन बायोडिग्रेडेयल प्लास्टिक थैलियों को जमीन में विघटित होकर नष्ट होने में करीब एक हजार साल लंबा समय लगता है, जिसका सीधा और स्पष्ट अर्थ है कि हम अपनी थोड़ी सी सुविधाओं के लिए इन थैलियों का इस्तेमाल कर धरती को अगले एक हजार वर्षों के लिए प्रदूषित कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की बेहतरी के लिए प्लास्टिक के विभिन्न रूपों पर प्रतिबंध लगाया जाना अब समय की सबसे बड़ी मांग है।

रामनवमी या रावणनवमी...?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इस बार भारत में हमने रामनवमी कैसे मनाई...? हमने रामनवमी को रावणनवमी में बदल दिया। देश के कई शहरों और गांवों में एक समुदाय के लोग दूसरे समुदाय से भिड़ गए। यहां तक की जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय के छात्र, जिन्हें देश में अत्यंत प्रबुद्ध माना जाता है, वे भी आपस में भिड़ गए। कई शहरों में लाठियां, ईंट और गोलियां भी चलीं। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस की ज्यादती के भी शिकार हुए। यह सब हुआ है, उसके जन्म दिन पर, जिसे अल्लामा इक़बाल ने 'इमामे हिंद' कहा है। इकबाल का शेर है- है राम के वजूद पे हिंदोस्तां को नाज़। अहले-नज़र समझते हैं इसको इमामे हिंद!! राम को भगवान भी कहा जाता है और मर्यादा पुरुषोत्तम भी। लेकिन राम के नाम पर कौनसी मर्यादा रखी गई? राम को

सांप्रदायिकता के कीचड़ में घसीट लिया गया। इसके लिए हमारे देश के वामपंथी और दक्षिणपंथी तथा हिंदू और मुसलमान, दोनों जिम्मेदार हैं। यदि रामनवमी का उत्सव मना रहे पूजा-पाठी छात्र कह रहे हैं कि पूजा-स्थल के तंबू के पास ही छात्रावास में मांस पकाया और खिलाया जा रहा है तो उससे हमें दुर्गंध आती है तो उनका दिल रखते हुए मांसाहार कहीं और भी उस समय करवाया जा सकता था और यदि मांसाहारी छात्र चाहते तो पूजा के घंटे भर पहले या बाद में भी भोजन कर सकते थे लेकिन यह झगड़ा तो न राम से संबंधित था और न ही मांसाहार से! इसके मूल में संकीर्ण राजनीति थी। वामपंथ और दक्षिणपंथ की! मांसाहार का समर्थन करनेवालों में हिंदू छात्र भी थे। हिंदू मांसाहारी तो अपना औचित्य ठहराने के लिए भवभूति के ग्रंथ 'उत्तरराम चरित्रम', प्रसिद्ध तांत्रिक मत्स्येंद्रनाथ और गोरखनाथ और चार्वाक के मद्यं, मांसं, मीनश्च, मुद्रा, मैथुनमेव च श्लोक तथा उपनिषदों के कई प्रकरणों को भी उद्धृत कर डालते हैं। वे वेदमंत्रों के भी मनमाने अर्थ लगा डालते हैं लेकिन वे वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों के उन तथ्यों और तर्कों को मानने के लिए कभी भी तैयार नहीं होते कि मांसाहार स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए घाटे का सौदा है। इसी तरह कुछ शहरों में मंदिरों और मस्जिदों के आगे भी बम फोड़े गए, पत्थर मारे गए और गोलियां तक चलीं। आप क्या समझते हैं कि यह काम किसी सच्चे ईश्वरभक्त या अल्लाह के बंदे का हो सकता है? बिल्कुल नहीं! यदि कोई सच्चा ईश्वरभक्त या अल्लाह का बंदा है तो उसके लिए ईश्वर और अल्लाह अलग-अलग कैसे हो सकते हैं? वह तो एक ही है। बस, उसकी भक्ति के रुप अलग-अलग हैं। ये रूप देश-काल और परिस्थितियों से तय होते हैं। यदि सारे विश्व में देश-काल और परिस्थितियां एक-जैसी होतीं तो इतने सारे धर्म, मजहब, रिलीजन होते ही नहीं। इस विविधता को धर्मांध लोग नहीं समझ पाते हैं। इसीलिए वे रामनवमी को रावणनवमी बना डालते हैं। किसी शायर ने क्या खूब लिखा है:

आए दिन होते हैं, मंदिरों-मस्जिद के झगड़े,
दिल में ईंट भरी हैं, लबों पर खुदा होता है।

नई फसल कटने की खुशी का पर्व है वैसाखी!

गर्मियां शुरू होते ही जब गेहूं की फसल पक जाती है तो उसकी कटाई की खुशी का खास पर्व है वैशाखी।वैशाखी पर्व सिख धर्म के पवित्र पर्वो में से एक है। वैशाखी पर्व हर वर्ष 13 अप्रैल को मनाया जाता है,जो सौर वर्ष की शुरुआत का प्रतीक भी है। वैशाखी विशेष रूप से पंजाब और उत्तर भारत के कई राज्यो में मनाया जाता है। सिख समुदाय के लिए वैशाखी का एक विशेष महत्व है क्योंकि यह खालसा की स्थापना का प्रतीक दिवस है। इस दिन, दसवें और अंतिम गुरु - गुरु गोबिंद सिंह ने सिखों को खालसा अर्थात शुद्ध लोगों के रूप में संगठित किया था। ऐसा करके, उन्होंने छोटे बड़े के मतभेदों को समाप्त कर दिया और मान्यता दी कि सभी मनुष्य एक समान हैं। सिख पंथ के नानकशाही कैलेंडर के अनुसार वैशाख माह के पहले दिन को वैसाखी त्यौहार के रूप मे मनाया जाता है। हिंदू मतानुसार सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने अर्थात मेष संक्रांति के दिन वैसाखी त्यौहार होता है। मेष संक्रांति आमतौर पर 14 अप्रैल को ही पड़ती है, परन्तु हर छत्तीस साल में एक बार 15 अप्रैल को भी हो सकती है। हालांकि खालसा की स्थापना के बाद, अब वैसाखी के लिए 13 अप्रैल को हमेशा के लिए ही स्वीकार कर लिया गया है। आमतौर पर एक गलत अवधारणा यह है कि वैसाखी चैत्र नववर्ष के दिन होती है। परंतु नववर्ष चैत्र प्रतिपदा के दिन पर मनाया जाता है, जो आमतौर पर मार्च और अप्रैल के किसी भी दिन पड़ सकता है। वैशाखी पंजाब के लिए एक फसल उत्सव है और पंजाबी कैलेंडर के अनुसार पंजाबी नए साल का प्रतीक है। पंजाब के गांवों में, वैशाखी के दिन मेले का आयोजन किया जाता है। इस दिन को किसानों द्वारा फसल के लिए धन्यवाद दिवस के रूप में भी माना जाता है, जिससे किसान अपनी अच्छी फसल होने पर भगवान को धन्यवाद देते हैं और भविष्य की समृद्धि के लिए भी प्रार्थना करते हैं। वैशाखी मुख्य रूप से किसी गुरुद्वारे या फिर किसी खुले क्षेत्र में मनाई जाती है, जिसमें लोग भांगड़ा और गिद्दा डांस करते हैं। लोग तड़के सुबह उठकर गुरूद्वारे में जाकर प्रार्थना करते हैं। गुरुद्वारे में गुरुग्रंथ साहिब जी के स्थान को जल और दूध से शुद्ध किया जाता है। उसके बाद पवित्र किताब को ताज के साथ उसके स्थान पर रखा जाता है।फिर गुरुग्रन्थ साहब को पढ़ा जाता है और अनुयायी ध्यानपूर्वक गुरू की वाणी सुनते हैं। इस दिन श्रद्धालुयों के लिए विशेष प्रकार का अमृत तैयार किया जाता है जो सबको बाँटा जाता है। परंपरा के अनुसार, अनुयायी एक पंक्ति में लगकर अमृत को पाँच बार ग्रहण करते हैं।अपराह्न में अरदास के बाद प्रसाद को गुरू को चढ़ाकर अनुयायियों में वितरित की जाती है। अंत में लोग लंगर चखते हैं।

डॉ. गोपाल नारसन

वैशाखी के दिन से गेहूं, तिलहन, आदि की फसल की कटाई शुरू होती है। शाम के समय लोग आग के पास इकट्ठा होकर नई फसल की खुशियाँ मनाते हैं। इस दिन सुबह 4 बजे गुरु ग्रंथ साहिब को कक्ष से बाहर लाया जाता है और दूध और जल से प्रतीकात्मक स्नान करवाने के बाद तख्त पर बैठाया जाता है। इस दिन जगह-जगह लंगर का आयोजन किया जाता है। बैसाखी पर दिनभर गुरु गोविंद सिंह और पंच प्यारों के सम्मान में कीर्तन गाए जाते हैं। सिख धर्म में श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी द्वारा बनाए गए खालसा पंथ की शुरुआत भी इसी दिन से ही हुई थी। इस दिन सिख धर्म के लोग गुरुद्वारों को सजाते हैं और जुलूस निकालते हैं। भारत के अलग-अलग क्षेत्रों में बैसाखी को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। जैसे, उत्तराखंड में इसे बिखोती के रूप में जाना जाता है। केरल में इसे विशु कहा जाता है और असम में इसे ÷बोहाग बिहू÷ कहा जाता है। बंगाल में इसे पाहेला बेशाख के नाम से जाना जाता है।

इसके अलावा तमिल में इसे पुत्थांडु और बिहार में जुर्शीतल के नाम से जाना जाता है। गुरु तेग बहादुर (सिखों के नवें गुरु) औरंगज़ेब से युद्ध करते हुए शहीद हो गये थे। तेग बहादुर उस समय मुगलों द्वारा हिन्दुओं पर किए जाने अत्याचार के ख़िलाफ़लड़ रहे थे। तब उनकी मृत्यु के पश्चात उनके पुत्र गुरु गोबिन्द सिंह अगले गुरु हुए। 1650 में पंजाब मुगल आतताइयों, अत्याचारियों और भ्रष्टाचारियों का दंश झेल रहा था, यहाँ समाज में लोगों के अधिकारों का हनन खुलेआम हो रहा था और न ही लोगों को कहीं न्याय की उम्मीद नज़र आ रही थी। ऐसी परिस्थितियों में गुरू गोबिन्द सिंह ने लोगों में अत्याचार के ख़िलाफ़लड़ने, उनमें साहस भरने का बीड़ा उड़ाया। उन्होंने आनंदपुर में सिखों का संगठन बनाने के लिए लोगों का आवाह्न किया और इसी सभा में उन्होंने तलवार उठाकर लोगों से पूछा कि वे कौन बहादुर योद्धा हैं जो बुराई के ख़िलाफशहीद हो जाने के लिए तैयार हैं। तब उस सभा में से पाँच योद्धा निकलकर सामने आए और यही पंच प्यारे कहलाए जिसे खालसा पंथ का नाम दिया गया।यही खालसा पंथ आज देश और समाज की रक्षा का प्रतीक है।साथ ही नई फ़सल आने की खुशी में वैशाखी हर वर्ष एक खास पर्व बन जाता है। जिसके लिए सभी को लख लख बधाई।

पाक की सियासत

- सिद्धार्थ शंकर

पाकिस्तान की सियासत का इतिहास बदस्तूर वैसा ही है, जैसा था। पाकिस्तान बनने के बाद अब तक कोई प्रधानमंत्री 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है। इमरान भी नहीं कर पाए और करीब पौने चार साल में ही कुर्सी से उतार दिए गए। इमरान खान जब सत्ता में आए तो उन्हें पाकिस्तान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली उम्मीद के तौर पर देखा गया लेकिन 44 महीने बाद जब अविश्वास प्रस्ताव की वजह से इमरान को सत्ता से बाहर किया गया, तो ये सारी उम्मीदें उल्टी साबित हुईं। आलम ये है कि पाकिस्तान में महंगाई चरम पर है और उसकी जीडीपी और रुपए दोनों की हालत खस्ता है। 2018 में पाकिस्तान में चुनावी जीत के साथ पीएम बनने वाले इमरान को शुरू से ही सेना का समर्थन हासिल था। उन आम चुनावों में धांधली के आरोप लगे और माना जाता है कि सेना की मदद से इमरान सत्ता पर कब्जा करने में सफल रहे। लेकिन सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद इमरान और सेना में दूरियां बनने लगी। जानकारों का मानना है कि, इसकी वजह काफी हद तक इमरान की खुद को पूर्व प्रधानमंत्रियों जुल्फिकार भुट्टो और नवाज शरीफकी तरह खुद को सेना के चंगुल से आजाद पीएम बनने की चाह थी। इसके बाद उन्होंने ऐसे कई कदम उठाए, जिससे उनके और सेना के बीच खाई चौड़ी होती गई। 2019 में इमरान ने पाक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा को कार्यकाल विस्तार को टालने की बहुत कोशिश, हालांकि इसमें सफल नहीं हुए। इसी तरह पिछले साल इमरान ने बाजवा के चहेते माने जाने वाले जनरल नदीम अंजुम को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के मुखिया पद पर नियुक्ति में टालमटोल करते रहे और जानबूझकर इसे लटकाने की कोशिश की। पिछले साल ही इमरान ने आईएसआई प्रमुख फैज हमीद को कोर कमांडर बनाकर पेशावर भेज दिया, जिससे बाजवा के रिटायर होते ही वह उनकी जगह सेना प्रमुख बन सकें। इमरान और सेना के संबंधों में आई दरार धीरे-धीरे इतनी चौड़ी हो गई कि वे दोनों एक दूसरे से लगभग हर मुद्दे पर अलग खड़े नजर आने लगे। हाल ही में इमरान रूस की यात्रा पर पहुंचे और उन्होंने यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर कुछ भी नहीं कहा। यह अमेरिका परस्त मानी जाने वाली पाक सेना के लिए झटका था, इसी वजह से अगले ही दिन जनरल कमर जावेद बाजवा ने यूक्रेन पर रूस के हमले को गलत बताने वाला बयान जारी कर दिया।

इमरान यहीं नहीं रुके और उन्होंने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उन्हें हटाने की कोशिशों को विदेशी साजिश करार दिया और खुलकर इसके पीछे अमेरिका का हाथ होने का नाम लिया। ये अमेरिका समर्थक माने जाने वाली पाक सेना से एकदम उलट रुख है। इमरान ने जहां भारत की विदेश नीति की तारीफकी तो वहीं जनरल बाजवा ने ने कश्मीर-विवाद को बातचीत से हल करने की पेशकश की। जानकारों का मानना है कि वर्तमान संकट में भले ही सेना सीधे तौर पर शामिल नजर न आए लेकिन उसने सुप्रीम कोर्ट के जरिए इमरान को बाहर करने की राह बनाते हुए इमरान को झटका दे दिया है। इमरान पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के वादे के साथ सत्ता में आए थे, लेकिन अब जब वह रुखसत हो चुके हैं, तो पाकिस्तान सबसे बदहाल स्थिति में है। इमरान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान की जीडीपी 315 अरब डॉलर से गिरकर 264 अरब डॉलर की रह गई है। इमरान की सबसे बड़ी गलती इस वर्ष जनवरी के बाद विपक्ष के मंसूबों में आए बदलाव को न भांप पाने की रही। विपक्ष ने इमरान और सेना के बीच चौड़ी होती खाई को मौके की तरह इस्तेमाल किया और एकजुट होकर इमरान पर हमला बोला। इमरान ने विपक्षी एकता को कमतर आंका और उन्हें पूरी उम्मीद थी कि वह अपनी सत्ता बचाने में सफल रहेंगे। लेकिन खुद उनकी पार्टी और सरकार के सहयोगी उनका साथ छोड़कर चले गए और आखिर में खुद इमरान को ही जाना पड़ा। सत्ता में आने के बाद से ही इमरान ने विपक्षी नेताओं को अपने निशाने पर रखा। जानकारों का मानना है कि अगर वह विपक्षी पार्टियों के साथ संबंध बेहतर रखते तो अपनी सरकार के एजेंडे को लागू करने पर ज्यादा ध्यान दे पाते। इसके उलट उन्होंने पाकिस्तान की दो मुख्य विपक्षी पार्टियों पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) दोनों के ही नेताओं को अपने निशाने पर रखा, उन्हें अपमानित किया और उनके नेताओं को जेल भेजने से भी नहीं चूके। इमरान और विपक्षी दलों के बीच खाई उनके 44 महीने के कार्यकाल के दौरान हमेशा चौड़ी ही नजर आई।

न्याय के लिए पीड़ित भटक रहे फिर भी पुलिस नहीं कर रही सुनवाई

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

चोरी और सीना जोरी यह कहावत जिले में सार्थक होती नजर आ रही है। चोरी की घटना में आरोपियों को कड़ी से कड़ी कार्रवाई भी उनके चरित्र और व्यवहार को नही बदल पा रही हैं। ऐसी ही घटना ग्राम बिनाया थाना अवंतीपुर बड़ोदिया के रमेश चंद्र घनसोदिया पिता कन्हैयालाल और मनोहर पिता कन्हैयालाल जाति बलाई, दोनों भाइयों के साथ हुई। प्रार्थियों ने जिला पुलिस अधीक्षक और आजाक थाने में आवेदन दिया, जिसमें बताया कि ग्राम बिनाया इमलीखेड़ा के जिला बदर आरोपी रतन गुर्जर और उसकी तीन लड़कियां और दो लड़के प्रार्थी मनोहर पिता कन्हैयालाल के खेत पर दिनांक 5 अप्रैल रात्रि 8 बजे शुक्ला चोरी कर रहे थे। जिस पर प्रार्थी के द्वारा शुक्ला चोरी करते हुए पकड़ा गया और कहा कि, शुक्ला चोरी क्यों कर रहे हो। इस बात पर आरोपी की पत्नी ने प्रार्थी के ऊपर धारदार हथियार दराता फेक कर हमला किया जिसमें प्रार्थी बाल-बाल बचा। प्रार्थी को आरोपी की पत्नी ने जाति सूचक बलाई चमार वाली गालियां दी। इसकी शिकायत डायल 100 पर की तो जिला बदर आरोपी रतन गुर्जर भड़क गया और अपनी पत्नी और बेटी को कसुरवार समझते हुए पीटते हुए घर ले गया।

डायल 100 समय पर नही आई तो प्रार्थी थाना अवंतीपुर बड़ोदिया पर चोरी की शिकायत करने गए लेकिन सहाब नहीं होने से उनकी शिकायत रिपोर्ट नहीं लिखी गई बोले सुबह आना। रात में 10 के बाद डायल 100 आई और मौका मुआयना करके चली गई। फिर आरोपी रतन गुर्जर रात में रमेश चंद्र पिता कन्हैयालाल के

घर पर पत्थर मारता है। जातिगत गाली गलौज करता है। बलाई, चमार की जातिसूचक गालियों से अपमान करता है और अश्लील गालियां औरतों को देता है। जिसका वीडियो भी हमारे पास है। आरोपी धमकाने के लिए कट्टा बताता है। अगली सुबह पोलाय के मोहन सेठ के यहां काम करने वाले हली ने बताया कि, तुम्हारा शुक्ला जल रहा है। जिस पर मैं और मेरा भाई खेत पर गए और देखा तो मेरे भाई मनोहर का शुक्ला जल रहा था और उसके पाइप, सटल कटे पड़े हुए थे कुछ पाइप चोरी कर लिए गए थे। वही प्रार्थी रमेश चंद्र के होल की 12 पाइप लाइन चोरी कर ली गई, प्याज के खेत की सरी का उजाड़ कर दिया गया। सटल और पाइप कुल्हाड़ी से जगह-जगह से काट दिए, हम दोनों भाईयो का लगभग 20-20 हजार का नुकसान कर दिया। हमने सुबह साढ़े 7 बजे डायल 100 और थाने पर फोन किया, जिस पर थाने से और फायर ब्रिगेड सभी लेट 10 बजे तक आए और शुक्ला बुझाकर और मौका मुआयना करके चले गए। जिस पर हमें ज्ञात हुआ कि, आरोपी ने हमारे ही खिलाफ थाने पर झूठी शिकायत कर दी और कहा कि मेरी पत्नी को मारा। रात को पुलिस को समय पर बुलाया तो आई नही और सुबह भी समय पर आई नही। आरोपी ने अपनी महिला को आगे कर थाने में हमारे खिलाफझूठी शिकायत की। जिसमे पुलिस बता रही की आरोपी की पत्नी ने मारपीट की घटना बताकर हमारे तीनों भाइयों और उनके स्कूल जाते बच्चो के नाम भी लिखवा दिए। हमारा प्रशासन से निवेदन हे की मामले की उचित जांच कर कार्यवाही करे। हमारे बच्चे स्कूल जाते हैं अभी से उनके नाम पुलिस रिकॉर्ड में आ जायेगै तो आगे क्या होगा। प्रशासन हमारे ऊपर से झूठा केस हटाए और हमारी चोरी और नुकसान को रिपोर्ट दर्ज करे और आरोपी से भरपाई करवाए या प्रशासन स्वयं दे। हमारी प्याज की फसल सुख रही हे उसमे बिना पाइप के केसे नया कर्ज करके फसल संभाले।

गायक बैरागी के आत्महत्या मामले में एक गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

पटेल नगर में रहने वाले भजन गायक दीपक बैरागी की आत्महत्या के 23 दिन बाद वायडी नगर पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। दीपक ने अपनी कार मयूर कालोनी निवासी जीवन सोनी को बेची थी, लेकिन जीवन समय पर किस्तें नहीं भर रहा था और फाइनेंस कंपनी वाले दीपक पर दबाव बना रहे थे। इसी प्रताड़ना से तंग आकर दीपक ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। अब आरोपित से कार के संबंध में पूछताछ की जा रही हैं। हालांकि इस मामले में फाइनेंस कंपनी की वसूली गेंग को क्लीन चिट दी जा रही हैं।

जानकारी अनुसार 20 मार्च की रात में पटेल नगर में भजन गायक 26 वर्षीय दीपक उर्फदिनेश पुत्र राधेश्याम बैरागी निवासी डोराना हाल मुकाम मंदसौर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट मिला था।

वायडी नगर थाने के प्रभारी टीआई विनय बुंदेला ने बताया कि, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दीपक ने अपनी कार मयूर कालोनी निवासी जीवन सोनी को बेची थी। लेकिन जीवन ने उसकी बाकी की किस्तें समय पर नहीं भरी तो फाइनेंस कंपनी वालों ने दीपक से किस्तें भरने को कहा। दीपक ने फिर जीवन सोनी को किश्त जमा करने को कहा था लेकिन जीवन ने बकाया किस्तें जमा नहीं की। इसे लेकर वह बहुत परेशान हो रहा था। फाइनेंस कंपनी वाले लगातार दीपक पर दबाव बना रहे थे और इसी से परेशान होकर दीपक ने फांसी लगाकर जान दे दी थी। पुलिस ने मामले में आरोपित 33 वर्षीय जीवन सुरेशचंद्र सोनी निवासी मयूर कालोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे एक दिन की रिमांड पर पुलिस को सौंपा है। पुलिस अब आरोपित से कार के संबंध में पूछताछ कर रही है।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के तत्वाधान में हुआ शोभायात्रा का आयोजन

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के तत्वाधान में भव्य शोभायात्रा का आयोजन संपन्न हुआ। सर्वप्रथम युवराज रिसोट में अतिथि मंचासीन हुए जिनमें मुख्य रूप से विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर आरएन सिंह, संत शिरोमणि मुकेशानंद जी महाराज, एकानंद महाराज, विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय मंत्री राजेश तिवारी, प्रांत संगठन मंत्री नंदादास दंडोतिया, प्रांत मंत्री सोहन विश्वकर्मा, प्रांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शाजापुर विभाग के विभाग सरसंघचालक महेंद्र धनगर, उपाध्यक्ष महेश गोठी, विभाग मंत्री ओम उमठ मंचासीन रहे। सर्वप्रथम प्रांत संगठन मंत्री नंद दास दंडोतिया ने विश्व हिंदू परिषद की प्रस्तावना रखी। तत्पश्चात राजेश तिवारी क्षेत्रीय मंत्री ने देश की तत्कालीन चुनौतियों को बताते हुए ग्राम समिति का अधिक से अधिक विस्तार करने का आग्रह किया।

अगले चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरएन सिंह ने संबोधित करते हुए तत्काल में हुई खरगोन की हिंसा का उल्लेख करते हुए विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ता को मजबूती से खड़ा होने के लिए कहा। साथ ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में विश्व हिंदू परिषद की भूमिका की महत्ता को कार्यकर्ताओं को बताया। कार्यक्रम का संचालन बजरंग दल विभाग सह संयोजक राजेश जादम ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत धर्मेंद्र राठौर ने किया एवं आभार बजरंग दल जिला सह संयोजक दीपू गोस्वामी ने माना।

भाईचारे और इंसानियत का संदेश देता माह-ए-रमजान...

माही की गूंज, मंदसौर।

माह-ए-रमजान न सिर्फ रहमतों और बरकतों की बारिश का महीना है, बल्कि समूची मानव जाति को प्रेम व भाईचारे और इंसानियत का संदेश भी देता है। खुद को खुदा की राह में समर्पित कर देने का प्रतीक पाक महीना रमजान का चांद दिखते ही शुरू हो गया।

इस पाक महीने में अल्लाह अपने बंदों पर रहमतों का खजाना लुटाते हैं। ऐसा माना जाता है कि, माह-ए-रमजान नेकी कमाने का महीना है। रमजान में हर नेक कामों का पुण्यफल 70 गुना मिलता है। रोजों की पाबंदी करें, अपने गुनाहों की माफी मांगें, अल्लाह की दी हुई छूट का फायदा न उठाएं। यही इस पाक महीने की सीख है।

सेहरी और रोजा अफ्तार के लिए बाजारों में कुछ अलग व्यंजन मौजूद रहते हैं। मौसमी फलों के साथ-साथ यह सामग्रियां अब बाजारों में दिखाई देने लगी हैं। जहां लोग दूध सिवए के साथ सेहरी कर रोजे की शुरुआत करते हैं, वहीं कई स्वादिष्ट चीजो को अपनी अफ्तार के व्यंजनों में शामिल रखते हैं। अफ्तार के लिए अफजल (पवित्र) मानी जाने वाली खजूर भी कई वैरायटियों में दिखाई देने लगी हैं।

इस्लामी महीने का नौवां महीना है रमजान। इसका नाम भी इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने से बना है। यह महीना इस्लाम के सबसे पाक महीनों में शुमार किया जाता है। इस्लाम के सभी अनुयाइयों को इस महीने में रोजा, नमा, फित्तरा आदि करने की सलाह है। रमजान के महीने को और तीन हिस्सों में बांटा गया है। हर हिस्से में दस- दस दिन आते हैं। हर दस दिन के हिस्से को 'अशरा' कहते हैं जिसका मतलब अरबी मैं 10 है। इस तरह इसी महीने में पूरी कुरान नाजिल हुई जो इस्लाम की पाक किताब है।

कुरान के दूसरे पारे के आयत नंबर 183 में रोजा रखना हर मुसलमान के लिए जरूरी बताया गया है। रोजा सिर्फ भूखे, प्यासे रहने का नाम नहीं बल्कि अश्लील या गलत काम से बचना है। इसका मतलब हमें हमारे शारीरिक और मानसिक दोनों के कामों को नियंत्रण में रखना है। इस मुबारक महीने में किसी तरह के झगड़े या गुस्से से न सिर्फमना फरमाया गया है बल्कि किसी से गिला शिकवा है तो उससे माफी मांग कर समाज में एकता कायम करने की सलाह दी गई है। इसके साथ एक तय रकम या सामान गरीबों में बांटने की हिदायत है जो समाज के गरीब लोगों के लिए बहुत ही मददगार है। चांद की तस्दीक के साथ 3 अप्रेल को रमजान का पवित्र माह शुरू हो गया। बरकतों के इस महीने के खत्म होने पर ईदुल फित्तर का त्योहार मनाया जाएगा। इस पूरे माह मुस्लिम धर्मावलंबी रोजा, नमाजों, तरावीह, कुरआन की तिलावत करते है।

भेड़ पालन केंद्र की भूमि आवंटित हुई स्कूल निर्माण के लिए

माही की गूंज, मंदसौर।

गुर्जर बरडिया स्थित भेड़ पालन केंद्र में लंबे समय से कोई काम नहीं हो रहा था, ऐसे में प्रशासन ने उस जमीन को स्कूली शिक्षा विभाग को अलॉट किया है। डीएम गौतम सिंह ने बताया कि, सीएम राइस स्कूल योजना मध्यप्रदेश शासन की महत्वकांक्षी योजना है। 2020 के नए नजूल निवर्तन नियम में कलेक्टर को यह अधिकार है कि जिस जमीन को किसी डिपार्टमेंट द्वारा उपयोग में नहीं लिया जा रहा है उसे दूसरे विभाग को दिया जा सके। ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि शासकीय योजना का कार्य जमीन के अभाव में न रुके। गुर्जर बरडिया में जो सीएम राइस स्कूल खुलना है इसके लिए जमीन कम पड़ रही थी तो वहा वेटनरी डिपार्टमेंट की भेड़ पालन केंद्र की जमीन लंबे समय से काम में नही आ रही थी। उसमें से 7 हेक्टेयर जमीन स्कूल के लिए दी गई है। ऐसे ही एक रेशम केंद्र की जमीन जो लंबे समय से काम में नहीं आ रही है उसे सामुदायिक भवन के लिए दिए जाने का आवेदन आया है।

कलेक्टर ने लगाए आईपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दिनेश जैन द्वारा जिले की साम्प्रदायिक पृष्ठभूमि को दृष्टिगत रखते हुए जिले में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा बनाए रखने तथा सामान्य जन की सुरक्षा, असामाजिक बाहरी तत्वों पर नियंत्रण तथा साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखने को दृष्टिगत रखते हुए जनहित में आईपीसी की धारा 144 के तहत 12 अप्रैल से अन्य आदेश तक जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में सोशल साईट्स व्हाट्स अप, फेसबुक एवं अन्य सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेशों, चित्रो, वीडियो एवं ऑडियो संदेश का प्रसार पर प्रतिबंध लगाया गया है। भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत लगाए गए प्रतिबंध के अनुसार आदेश दिया गया है कि, कोई भी व्यक्ति या संस्था वाट्सअप, फेसबुक यूजर द्वारा कोई ऐसा आपत्तिजनक पोस्ट जिससे धार्मिक भावना भड़के एवं किसी सम्प्रदाय विशेष की भावना उद्वेलित हो को प्रसारित नहीं करें। वाट्सअप ग्रुप एडमीन तथा ग्रुप से जुड़े यूजर धार्मिक भावना भड़काने वाले पोस्ट को प्रसारित नहीं करें एवं एडमिन ग्रुप के यूजर को ऐसा करने से रोकें। ग्रुप के कोई भी सदस्य धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला अथवा संदेश या फोटो या वीडियो डालता है तो ग्रुप एडमिन की जवाबदारी निर्धारित की जाएगी। कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म सम्प्रदाय के संबंध में आपत्तिजनक टिप्पणी या चित्र कभी भी फारवर्ड नहीं करें। सोशल मीडिया पर आये संदेश कई बार षडयंत्र के तहत् भेजे जाते है अतः इन पर कोई भी प्रतिक्रिया देने के पूर्व इनकी सत्यता की जाँच करने का प्रयास करें। यदि कोई व्यक्ति प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करेगा तो वह भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 188 के अन्तर्गत अभियोजन के लिये उत्तरदाई होगा।

आयोजित होगा सामाजिक समरसता महोत्सव

माही की गूंज, शाजापुर।

जनजातीय कार्य विभाग के तत्वावधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 131वीं जयंती के अवसर पर आज शुजालपुर में अम्बेडकर जयंती एवं सामाजिक समरसता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग राज्यमंत्री तथा जिला प्रभारी विजेंद्र सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार करेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अम्बाराम कराड़ा, किशोर पाटीदार एवं कैलाश सोनी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन शुजालपुर की माँ शारदा शासकीय उत्कृष्ट उमावि. में प्रातः साढ़े 9 बजे से होगा।

कार्यक्रम की मिनिट टू मिनिट जानकारी देते हुए कार्यक्रम के लिए बनाए गए नोडल अधिकारी जिला कोषालय अधिकारी जीएल गुवाटिया ने बताया कि, प्रातः साढ़े 9 बजे से 10 बजे तक कबीर भजनों की प्रस्तुति होगी। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र/मूर्ति पर माल्यार्पण तथा कन्या पूजन किया जाएगा। अतिथियों के स्वागत उपरांत मणीपुरी कलाकारों द्वारा लोक नृत्य एवं गायन की प्रस्तुति, कलेक्टर का उद्बोधन, बाबा साहेब के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन, कार्यक्रम के अध्यक्ष राज्यमंत्री श्री परमार एवं मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री यादव का उद्बोधन होगा। इसके उपरांत दोहपर 12 बजे से 2 बजे तक सामूहिक सद्भावना समरसता भोज का आयोजन भी होगा।

नजर उतारने वाले नींबू को आखिर किसकी लगी नजर

माही की गूंज, मंदसौर।

अब तक पेट्रोल-डीजल, सीएनजी-एलपीजी, रसोई गैस सिलेंडर, खाद्य तेल, आदि की कीमतों की बात हो रही थी। लेकिन अब आपकी नजर उतारने वाले नींबू को नजर लग गई है। जी हां, नींबू की कीमत अब फल से भी ज्यादा हो गई है। नींबू की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी का बजट बिगाड़ दिया है। नींबू ने कीमतों के मामले में फलों को भी पीछे छोड़ दिया है। इसकी कीमत 250 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थी। फल के बाद अब सब्जियों के दाम भी आम आदमी के घर का बजट बिगाड़ रहे हैं एक तरफबढ़ता पारा और गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। अब सब्जी के बढ़ते भाव लोगों को सता रहे हैं हर चीज के दाम रिकार्ड स्तर पर हैं। इस समय जनता परेशान है कि क्या खाएं जो बजट में आ जाए। टमाटर, मिर्च, लौकी, मूली जैसी आम सब्जियां भी बजट से बाहर हो रही हैं। मंदसौर में भी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। खासकर हरी सब्जियों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भिंडी के दाम जहां 80 रुपए किलो तक पहुंच चुके हैं। वहीं टमाटर के दाम भी डेढ़ गुने होकर 40 रुपए प्रति किलो हो गए हैं। हालांकि नींबू के दाम में आंशिक कमी आई है और तकरीबन 220 रुपए से 250 रुपए किलो में नींबू अब मिल रहे हैं, लेकिन लौकी, भिंडी हरिमिर्च के दामों में बढ़ोतरी लगातार जारी है।

लू के थपेड़ों के बीच अपने हक के लिए धरने पर बैठे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में सरकारी योजनाओं की जानकारी से लेकर पौष्टिक आहार का वितरण करने की जिम्मेदारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं पर ही है। लेकिन उन्हें उचित मानदेय नहीं मिल रहा है। इससे नाराज आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर अनिश्चितकाल के लिए हड़ताल पर है। मंदसौर में हड़ताल पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नियमित बनाने की मांग को लेकर कार्यकर्ताओ कि अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिनी कार्यकर्ता, प्रत्येक गांव और वार्ड में सरकार की प्रमुख प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर थी हैं। समूचे प्रशासन को प्रत्येक विषय पर जानकारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा ही दी जाती है। सरकार की सभी योजनाओं को लागू कराने में और संचालित करने में आंगनबाड़ी कर्मियां की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, लेकिन इस काम के एवज में आंगनबाड़ी कर्मियों को दिए जा रहे मानदेय की राशि अत्यधिक कम है।

भारत सरकार ने अक्टूबर 2018 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिनी कार्यकर्ता का मानदेय बढ़ाया था, जिसका आज तक एरियर्स सहित भुगतान नहीं किया गया इसका शीघ्र भुगतान हो। सभी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को नियमित किया जाए। राज्य शासन कर्मचारी घोषित किया जाए। सेवानिवृत्त होने पर कार्यकर्ताओं को 5 लाख और सहायिकाओं को 3 लाख रुपए दिए जाएं। कोरोना काल की प्रोत्साहन राशि 10 हजार रुपए दी जाए। मिनी कार्यकर्ता को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में पदोन्नत किया जाए। भविष्य में केवल सहायिका और कार्यकर्ता की भर्ती की जाए. वरीयता के आधार पर कार्यकर्ता से सुपरवाइजर, सहायिका से कार्यकर्ता के पद पर पदौन्नति दी जाए। प्रत्येक माह की 5 तारीख तक मानदेय का भुगतान हो ताकि समय से कर्मचारी की आवश्यकता और परिवार का भरण पोषण कर सकें। हड़ताल के कारण से आंगनवाड़ियों में कामकाज प्रभावित हो रहा है।

मंदसौर में बीते 24 दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भीषण गर्मी में सड़क पर बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और नियमित करने के लिए सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। मन्दसौर के गांधी चौराहा पर पिछले 24 दिनों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं और सहायिकाएं धरना प्रदर्शन कर रही हैं। बुलंद आवाज नारीशक्ति सगठन के बैनर तले हड़ताल कर रही कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को गांधी चौराहा पर सड़क पर बैठ हनुमान चालीसा का पाठ किया और सरकार को सद्बुद्धि देने की कामना की। आपको बता दें कि, जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं अपने नियमितीकरण, मानदेय वृध्दि के सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पिछले 24 दिनों से कामबंद हड़ताल पर हैं।

प्रशासन ने शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर बनाए दो मंजिला मकान को किया जमींदोज

विभिन्न प्रकार के 19 प्रकरण दर्ज आरोपी ने शासकीय भूमि पर कब्जा कर घर का किया था निर्माण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा महिला अपराध गुंडा तत्वों तथा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों पर लगातार कारवाई की जा रही है। बीते दिनों जिला प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर किसी भी व्यक्ति द्वारा अवैध अतिक्रमण करने तथा उक्त संबंध में जानकारी देने हेतु हैल्प लाइन नंबर जारी किये गए थे। सूचना के आधार पर प्रशासन को प्राप्त शिकायत आधार पर जांच उपरान्त प्रशासन एवं पुलिस द्वारा संयुक्त कारवाई करते हुए भाया उर्फ हिरला मानकर पिता जुरसिंह जाति भिलाला निवासी ग्राम बयडिया थाना सोंडवा पर विभिन्न धाराओं के तहत थाना सोंडवा में 19 अपराध पंजीबद्ध है। उक्त बदमाश के विरुद्ध हत्याए मारपीटए बलवाए आर्म्स एक्टए शरीर संबंधी अपराध शासकीय कार्य मे बाधा एवं थाना सोंडवा का घेराव कर तोड़.फोड़ करना संबंधी अपराध पंजीबद्ध है। उक्त बदमाश के विरुद्ध समय-समय पर प्रतिबंधात्मक कायर्वाही की गई है। वर्ष 2011 में गुंडा बदमाश में सूचीबद्ध किया गया परंतु बदमाश की अपराधिक सक्रियता कम नहीं हुईए तब वर्ष 2019 में उक्त पर जिला बदर की कार्रवाई की गई थी। बदमाश की पत्नी वतर्मान में जैतपुर सरपंच है। उक्त के द्वारा ग्राम जैतपुर में यात्री प्रतीक्षालय के पीछे की शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर दो मंजिला मकान बना लिया गया थाए जिसे आज प्रशासन एवं पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उक्त अतिक्रमण को जेसीबी से तोड़कर नेस्तनाबूद करते हुए जमींदौज करने की कारवाई की गई। इस कायर्वाही के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सखाराब सेंगर, एसडीएम सोंडवा सुश्री प्रियांशी भंवर, एसडीओपी सुश्री श्रृद्धा सोनकर सहित तहसीलदार रमेश मसारे, थाना प्रभारी एसएस बघेल, थाना प्रभारी बखतगढ एएस भाबर सहित पुलिस बल उपस्थित था।

मिशन उम्मीद के लिए जिला प्रशासन स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट सम्मान से हुआ सम्मानित

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा को मिशन उम्मीद अभियान के सफल नवाचार के लिए प्रसिद्ध स्कॉच ऑर्डर ऑफमेरिट सम्मान से सम्मानित किया गया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले को मिले इस सम्मान का श्रेय स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के अमले सहित अन्य विभागों के मैदानी अमले को दिया है।

ज्ञातव्य है कि, कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने जिले की विषम और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव कराकर मातृ एवं शिशु की मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मिशन उम्मीद को प्रारंभ किया है। इसके तहत पहाड़ों पर दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले परिवारो की गर्भवती महिलाओं को झोली स्ट्रेचर के माध्यम से पहाड़ों से उतारकर वाहन के माध्यम से निकट के स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचा कर कुशल चिकित्सकों की देखरेख में प्रसव कराया जाता है। जिसके कारण बड़वानी जिले में अब 85 प्रतिशत से अधिक संस्थागत प्रसव होने लगा है। इससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है। इस अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं को निकट के स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में प्रयुक्त निजी वाहन के मालिक को आने-जाने का निर्धारित किराया भी जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया जाता है । इस कार्य में ममता ब्रिगेड की एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा सक्रिय सहयोग दिया जाता है। जिसके कारण अब जिले के दुर्गम क्षेत्रों के रहवासियों की गर्भवती महिलाओं को भी प्रसव हेतु समय पर स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाने में सफलता मिल रही है । जिले की इस उपलब्धि के लिए के स्कॉच ग्रुप ने जिले को स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट सम्मान से सम्मानित किया है । जिले को प्राप्त यह स्कॉच आर्डर ऑफ मेरिट सम्मान हेतु आयोजित विभिन्न चरणों से गुजर कर सेमी फाइनल में पहुंच जाने के लिए दिया गया है। यदि बड़वानी जिला स्कॉच अवार्ड का फाइनल भी जीत लेगा तो उसे स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

तीसरे दिन भी चला बुलडोजर, दो मकान हुए जमीदोज

माही की गूंज, बड़वानी।

रामनवमी के दिन सेंधवा में निकले जुलूस पर पत्थरबाजी करने वालों पर बुधवार को भी कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही के दौरान दो मकानों को बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। ध्वस्त किये गये दो मकानों में से एक मकान मंगलवार को की गई रासुका की कार्यवाही होने वाले व्यक्ति का है। कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा से प्राप्त जानकारी अनुसार अभी तक जिले में कुल 13 मकानों को ध्वस्त किया गया है। ध्वस्त किये गये मकान सद्भावना बिगाड़ने वाले लोगो के होकर अतिक्रमण कर बनाये गये थे।

दीवारों पर चस्पा होंगे हेल्पलाईन नम्बर, स्थापित होंगे पुलिस सहायता केन्द्र और लगाएंगे सीसीटीवी कैमरे

माही की गूंज, खरगोन।

रामनवमी पर शोभायात्रा पर हुए पथराव के बाद कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी. बुधवार को प्रभावित इलाकों में पहुँचकर महिलाओं, बुजुर्गों, युवकों और सभी रहवासियों से रूबरू हुई। कलेक्टर ने ढांढस बंधाते हुए कहा कि प्रशासन का हर अधिकारी शांति व्यवस्था बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। प्रभावित इलाकों में रहवासियों की सुविधा के लिए कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने कहा दीवारों पर हेल्पलाईन नम्बर चस्पा किये जायेंगे और सीसीटीवी कैमरे लगाएँगे। साथ ही इन इलाकों में अस्थायी पुलिस सहायता केन्द्र भी बनाएं जाएंगे। इसके अलावा प्रभावित इलाकों व मोहल्लों के 2-2 निवासियों के नंबर लेकर व्हाटसअप ग्रुप भी बनाये जाएंगे। जिससे आपकी संवाद और वस्तुस्थिति का पता लगाया जा सके और अफवाहों पर नजर रखी जा सके।

प्रोपर्टी छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे

प्रभावित इलाकों में संवाद के लिए पहुँची कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा ने करीब 50 से अधिक महिलाओं से रूबरू हुई। महिलाओं ने कहा कि, हमारी पूरी संपत्ति यहां है इसे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे। अभी कहीं मकान जल जाने के कारण रिश्तेदारों के घर गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन आप सभी के साथ है। अभी सर्वे प्रारम्भ कर दिया है। जिनके मकान जल गए या टूटे हैं उनके लिए सर्वे के बाद सहायता राशि दी जाएगी। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी बुधवार सुबह 11 बजे से प्रभावित इलाकों में पहुँची। इस दौरान उन्होंने भावसार मोहल्ला, सिद्धनाथ मंदिर के पीछे के क्षेत्र संजय नगर, तवड़ी मोहल्ला आदि स्थानों में पहुँची।

उप संचालक कृषि मंडियों का भी करेंगे निरीक्षण- कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कृषि उपज मंडी के कार्यों की समीक्षा करते हुए उप संचालक कृषि को निर्देशित किया कि, वे सम्पूर्ण कृषि उपज मंडियों का भी निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं को और पुख्ता करवाते हुए अपनी रिपोर्ट जिला कार्यालय को नियमित रूप से प्रेषित करेंगे। जिससे मंडी के क्रियाकलापों को और बेहतर बनाया जा सके। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण के आधार पर लिखी जाएगी सीआर समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने सीएम हेल्प लाइन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान सभी जिला अधिकारियों को चेताया कि उनकी वार्षिक सीआर में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण का भी उल्लेख किया जाएगा। अतः सभी जिलाधिकारी सीएम हेल्प लाइन, मंत्री प्रकोष्ठ, उच्च कार्यालय से प्राप्त पत्रो के निराकरण पर विशेष ध्यान केंद्रित करेंगे। अन्यथा उनके सीआर में इसका उल्लेख होने पर उन्हें अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। बिना अनुमति मुख्यालय छोड़ने का कार्यपालन यंत्री को मिला नोटिस

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने आयोजित समय सीमा बैठक से बिना अनुमति के मुख्यालय छोड़ने वाले सिंचाई विभाग के कार्यपालन यंत्री को शो कॉज नोटिस जारी कर समक्ष में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई है। जलाभिषेक अभियान के दौरान निर्माण कार्य हेतु ठेकेदार ले जा सकेंगे मिट्टी

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने समय सीमा बैठक के दौरान जिले में प्रारंभ जलाभिषेक अभियान के दौरान पुष्कर धरोहर समृद्धि एवं अमृत सरोवर योजना के तहत होने वाले जल संरक्षण एवं नवीन तालाब निर्माण से निकलने वाली मिट्टी को अन्य जगह चल रहे निर्माण कार्य में संलग्न ठेकेदारों को ले जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि, ठेकेदार अपने क्षेत्र के एसडीएम को आवेदन कर यह कार्य कर सकता है।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने जलाभिषेक अभियान के दौरान नियुक्त नोडल अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर ऐसी ग्राम पंचायत जहां सोमवार को ताले लगे मिले थे, या ग्राम पंचायत के सचिव रोजगार सहायक समय पर नहीं पहुंचे थे। उनका वेतन काटने और पद से पृथक करवाने की कार्रवाई प्रारंभ करवाने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर को दिये है। साथ ही कलेक्टर ने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि, वे अपने प्रभार के क्षेत्र में चल रहे जलाभिषेक अभियान के तहत चल रहे समस्त कार्यो का निरीक्षण नियमित रूप से कर अपना प्रतिवेदन जिला मुख्यालय को भी भेजेंगे। साथ ही कलेक्टर ने सभी जनपदों के सीईओ को भी निर्देशित किया कि वे कार्य प्रारंभ होने के पूर्व एवं चल रहे कार्य के दौरान तथा कार्य पूरा हो जाने पर संबंधित फोटोग्राफ अवश्य लेकर उसे फाइल में लगायेंगे। इसी प्रकार कैचमेंट में विस्तृत पौधरोपण की भी कार्य योजना बनाकर उसे मुहूर्त स्वरूप प्रदान करेंगे प्रत्येक विभाग अपने शासकीय भवनों का पंजीयन करवायेंगे पंचायत रिकॉर्ड में समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग के समस्त भवनों को संबंधित ग्राम पंचायत एवं राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करायेंगे। जिससे इन भवनों की समुचित जानकारी ग्राम पंचायत राजस्व रिकार्ड में दर्ज रहे। इससे इन भवनों का युक्ति युक्तकरण करवाते हुए बेहतर से बेहतर उपयोग किया जा सके।

फेरी वालों को दिए जाएं पहचान पत्र

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने आयोजित समय सीमा बैठक के दौरान सभी नगर निकायो, जनपदों के सीईओ को निर्देशित किया कि वे अपने प्रभाव क्षेत्र में फेरी लगाकर व्यापार करने वालों लोगो को पहचान पत्र जारी करेंगे। इसके लिए सभी सीईओ और ग्राम पंचायतो के सचिव हाट बाजार में दुकान लगाने, क्षेत्र में फेरी लगाकर व्यापार करने वालों को पहचान पत्र देंगे। जिससे इन्हें अपना कार्य करने में किसी प्रकार की असुविधा ना होने पाये। शिक्षण संस्थानों, आंगनवाड़ी में लगेगी मां की बगिया समय सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ एवं सहायक आयुक्त जनजातीय महिला बाल विकास तथा शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि ऐसी शिक्षण संस्था एवं आगनवाड़ी जहां पर जल जीवन मिशन के तहत नल से पानी पहुंचने लगा है । वहां पर मां की बगिया अभियान के तहत नरेगा से बगिया लगाएंगे। इसके तहत संस्था में रिक्त भूमि पर फूलों के पौधे एवं सब्जियों की बगिया लगवाएंगे। जिससे संस्था के विद्यार्थियों को ताजा फल सब्जियां मिल सके और पर्यावरण का महत्व समझ सके।

हनुमान जयंती पर होगा भंडारे का आयोजन

माही की गूंज, खवासा

ग्राम के प्राचीनतम तथा चमत्कारी श्री हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन रखा गया है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि, विगत 2 वर्षो से कोविड के कारण भंडारे का आयोजन नहीं किया गया था, इसके बाद इस वर्ष विशाल पैमाने पर 16 अप्रेल हनुमान जयंती पर भंडारा किया जा रहा है । इस चौथे भंडारे में इस वर्ष किसी से भी सहयोग राशि नहीं ली गई है, इस वर्ष पुर्व की बचत राशि से ही इस वर्ष का भंडारा आयोजित किया जा रहा है। पहले महायज्ञ किया जाएगा और महाआरती तथा छप्पन भोग हनुमानजी को अर्पित किए जाएंगे उसके पश्चात भंडारा प्रारंभ किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्यों नें अधिक से अधिक संख्या मे श्रद्धालुओं कों पधारने की अपील भी की है।

महावीर जयंती आज

भगवान महावीर जयंती के शुभ अवसर पर स्थानीय जैन समाज द्वारा धुमधाम से मनाई जाएगी ÷त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर की÷ जय घोष के साथ शोभायात्रा सुबह साढे 8 बजे निकाली जाएगी। वही दिन भर भगवान महावीर की पूजा अर्चना और आरधना का दौर जारी रहेगा।

शासकीय भूमि पर बने आवास को प्रशासन ने किया ध्वस्त

माही की गूंज, खरगोन।

शहर में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और नगर पालिका द्वारा तोड़े गऐ भवन, आवास और व्यवसायिक भवन बिना अनुमति व अनुमति के विपरित निर्माण कार्य किए गए उन्हें तोड़ा गया है। नगर पालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि, गत दिवस खसखसवाड़ी में हसीना बी. पति फारूख को स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास शासकीय भूमि के खसरा नंबर 379 पर निर्माण किया गया था। योजनांतर्गत स्वीकृत आवास का गैर आवासीय प्रायोजन किया जा रहा था। इस आवास में मवेशियों और उनके लिए घास और भूसा रखने का उपयोग हो रहा था। तहसील न्यायालय द्वारा हितग्राही हसीना बी. पति फारूख को 10 मार्च 2022 को प्रकरण क्र. 0018/अ-88/2021-22 में पारित आदेश अनुसार मकान शासकीय भूमि पर अतिक्रमण प्रमाणित होना पाया गया। तहसील न्यायालय द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए तीन दिनों को समय दिया गया था। इसकी लिखित में इस न्यायालय को सूचना प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी हुआ था। लिखित सूचना नहीं प्रस्तुत करने के बाद आवास तोड़ा गया। हसीना बी. पति फारूख को किसी अन्य स्थान के लिए आवास स्वीकृत किया गया था।

गौवंश का परिवहन करने वाला वाहन जप्त, चालक गिरफ्तार

माही की गूंज, बड़वानी।

थाना राजपुर पुलिस ने अवैध रुप से गौवंश का परिवहन कर वध हेतु महाराष्ट्र की तरफले जाने वाले वाहन को जप्त कर, वाहन चालक एवं गाड़ी पास करवाने वाले ऐजेंट को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी राजपुर राजेश यादव से प्राप्त जानकारी अनुसार पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर अवैध गौवंश परिवहन के विरूद्ध सतत् अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार 13 अप्रैल को मुखबिर की सूचना पर राजपुर से गौवंश भरकर वध हेतु भागसुर से नरावला होते हुए पलासनेर, महाराष्ट्र की ओर जाते हुए एक वाहन को नरावला फाटे पर रोका गया। पुलिस को देखकर वाहन चालक वाहन पलटाने लगा। जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ करने पर चालक ने अपना नाम राम पिता शेरू बघेल निवासी मोरानी बताया। वाहन की चेकिंग करने पर अंदर से दो बैल रस्सियों से बंधे हुए पाये गये। जिन्हे योगमाया गौशाला में भिजवाया गया। पूछताछ करने पर चालक ने बैल एजेंट राधेश्याम के माध्यम से भिजवाना पाया गया। इस पर दोनो आरोपियों के विरूद्ध धारा 4,6,9 म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम एवं 11(घ) पशु क्रूरता अधिनियम एवं 6ए, 6बी/10 म.प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी राजेश यादव, उप निरीक्षक वेस्तासिंह चैहान, प्रधान आरक्षक रतन मेहता, आरक्षक निर्मल, आशीष पाटीदार, राधेश्याम सोलंकी, उवेश मंसूरी एवं पंकज का सराहनीय योगदान रहा।

जलियांवाला बाग काण्ड की 103 वीं बरसी शहीदों को किया नमन

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ द्वारा स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्षन में जलियांवाला बाग काण्ड की 103 वीं बरसी के मौके पर परिचर्चा एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कॅरियर काउंसलर डॉ. मधुसूदन चौबे ने जलियांवाला बाग कांड की जानकारी देते हुए बताया कि, 13 अप्रैल, 1919 को बैषाखी के पर्व के दिन पंजाब के अमृतसर में विष्व प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर के पास स्थित जलियांवाला बाग में शांतिपूर्ण ढंग से सभा कर रहे लोगों पर पंजाब के उपराज्यपाल माइकल ओ डायर के आदेष से सैन्य अधिकारी ब्रिगेडियर जनरल डायर जलियांवाला बाग ने अपनी सैन्य टुकड़ी के माध्यम से गोली बारी कर दी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 379 लोग शहीद हुए और 1200 घायल हुए। गैरसरकारी आंकड़ों के अनुसार एक हजार से अधिक व्यक्ति शहीद हुए। 3 हजार से अधिक घायल हो गये। बाग में स्थित कुएं से 120 से अधिक शव निकले। इस काण्ड में शहीद होने वाला सबसे छोटा बालक मात्र छह सप्ताह का था। इस घटना ने स्वतंत्रता संग्राम को नया मोड़ दिया। उपस्थित विद्यार्थियों ने हाथ जोड़कर शहीद पूर्जजों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहीद उधमसिंह ने 1940 में लिया था बदला

डॉ. चौबे ने बताया कि, इस अमानवीय कांड के दो खलनायक थे, पंजाब का उप गवर्नर माइकल ओ डायर तथा सैन्य अधिकारी रेजीनॉल्ड एडवार्ड हैरी डायर था, जिसे हम जनरल डायर के नाम से जानते हैं। उस समय उधमसिंह 20 वर्ष के थे। उन्होंने इस काण्ड के क्रूर पात्रों को मौत के घाट उतारकर ब्रिटिष साम्राज्य को सबक सिखाने का संकल्प किया। जनरल डायर 1927 में बीमारियों से ग्रस्त होकर मर गया। अपने जीवन के एकमात्र संकल्प को पूर्ण करने के लिए उधमसिंह ने इक्कीस वर्ष साधना की और 13 मार्च, 1940 को लंदन में माइकल ओ डायर का वध किया। उधमसिंह को ब्रिटिष साम्राज्य ने मृत्युदण्ड दिया। वे 31 जुलाई, 1940 को फांसी पर चढ़ाये गये। उनका जन्म 26 दिसम्बर, 1899 को हुआ था। आयोजन में सहयोग प्रीति गुलवानिया, किरण वर्मा, राहुल भंडोले, अंकित काग, राहुल मालवीया, कोमल सोनगड़े, वर्षा मालवीया, अंकित काग, उमा फूलमाली, वर्षा मुजाल्दे, प्रदीप ओहरिया, अंशुमन धनगर, दिव्या पाटिल, स्वाति यादव, तेहरीन खान, राहुल सेन ने दिया।

प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के जारी किए निर्देश-मचा हड़कंप

आस-पड़ोसी एक-दूसरे को देख रहे शक की नजर से

माही की गूंज, आम्बुआ।

शिवराज मामा के बुलडोजर के समाचार जैसे-जैसे समाचार पत्रों एवं टीवी आदि पर आते देख, पढ़ व सुनकर कईयों का कलेजा मुंह में आ जाता है, पता नही कब किसका नंबर आ जाए। जिला प्रशासन द्वारा मोबाइल नंबर, व्हाट्सएप नंबर जाहिर कर गोपनीयता के साथ जानकारी मांगे जाने के बाद आस-पड़ोसी एक-दूसरे को शक की नजर से देखने लगे हैं कि कही कोई प्रशासन को सूचना न दे दे।

प्रदेश भर में इन दिनों गुंडों, माफियाओं, बदमाशों के खिलाफ यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह मध्य प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान बुलडोजर मामा बनकर उभर रहे है। प्रदेश के साथ झाबुआ तथा अलिराजपुर जिला विशेषकर अलीराजपुर जिले के आजाद नगर, जोबट, अलीराजपुर आदि स्थानों पर बीते सप्ताह प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों की कमर तोड़ी, जिससे संपूर्ण जिले के कस्बा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में हड़कंप है। इन क्षेत्रों में ऐसे अनेक नामी-गिरामी शख्सियतें मौजूद है जो कई वर्षों से अपनी धाक जमाऐ बैंठी है। शासन किसी भी पार्टी का रहा हो जिनकी चलती रही है चलती रह रही है, लेकिन अब मामा ने नींद हराम कर दी है।

आम्बुआ कस्बा एक शांतिप्रिय कस्बा रहा है। यहां किसी को किसी के कार्यों में टांग अड़ाने की आदत नहीं है। या यूं कहे कि तेरी भी चुप, मेरी भी चुप और अधिक स्पष्ट करें तो यह कहावत भी चरितार्थ होगी कि, ÷सब के नीचे अंधेरा है÷। बस यही कारण है कि, यहां विगत कई वर्षों से अतिक्रमण के नाम पर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। एक कारण यह भी है कि, यहां के निवासियों, किसी भी पार्टी कार्यकर्ताओं के सरकारी आंकड़ों में कोई गंभीर अपराध आदि नहीं है जिस कारण प्रशासन की नजर में नहीं चढ़े हैं। मगर अब जबकि प्रशासन ने जिला स्तर से मोबाइल, व्हाट्सएप नंबर जारी कर आम जनमानस से ऐसे लोगों के बारे में गोपनीय जानकारी मांगी है तो कई ऐसे लोग जो कि स्वयं कोई अतिक्रमण न कर सके, हिम्मत नहीं जुटा सके, मगर मन मसोस कर बैठे रहे हैं कि उसकी सुनेगा कौन और नाम का खुलासा हो जाने पर गांव में बुराई व दुश्मनी कौन मोल ले। नाम नंबर गोपनीय रखने की बात पर प्रशासनिक को शायद कोई अपनी पुरानी भड़ास निकालने का मन बना कर तथा अपने आसपास हुए गैर कानूनी कार्य, निर्माण आदि की जानकारी प्रशासन को दे दे। यही कारण है कि, ÷चोर की दाढ़ी में तिनका÷ वाली कहावत के अनुसार आस पड़ोसी भी शक के दायरे में आते नजर आ रहे हैं।

अतिक्रमण का डर तथा उससे बचाव के कयास कुछ इस तरह चर्चा में है कि, क्या बीच कस्बे में अतिक्रमण हटेगा...? कस्बे के किसी एक कोने से कार्रवाई होगी, सीधे हमारे घर थोड़े ही आ जाएंगे। आएंगे तब हम उन्हें बताएंगे कि हमारा घर या परिवार ही थोड़ी अतिक्रमण में है और भी देखो उन्हें क्यों छोड़ा जा रहा है। आदि-आदि की चर्चाएं चौराहों तथा यहां-वहां होती सुनाई दे जाएगी। अभी तो बस इंतजार है कि, प्रशासन विगत वर्षों की तरह इस बार भी मेहरबान हो जाए और अतिक्रमण हटाने की मुहिम ठंडी पड़ जाए अथवा औपचारिकता की पूर्ति कर प्रशासन को सूचना दी जाए की कार्रवाई की गई है।

आरती, स्तुति व भजन कर मनाया श्रीराम जन्मोत्सव

माही की गूंज, आम्बुआ।

प्रभु श्रीराम का रामनवमी के उपलक्ष पर जन्मोत्सव आम्बुआ श्रीराम मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आतिशबाजी की गई तथा प्रसादी वितरण की गई। गूंज संवाददाता को श्रीराम मंदिर के पुजारी शंकर लाल पारीख ने बताया कि, प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी चैत्र नवमी की दोपहर 12 बजे श्रीराम भगवान का प्रकटोत्सव पर आरती की गई तथा श्री राम भगवान की स्तुति की जाकर विष्णुलाल वाणी द्वारा सु-मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। आरती में कस्बे से अनेक राम भक्त महिला, पुरुष व बच्चे शामिल हुए। आरती उपरांत आतिशबाजी की गई तथा प्रसादी वितरण की गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुरेश वाणी, गोपाल राठौड़, उच्छव राठौड़, राजेंद्र राठौड़, ठाकुर शंभू सिंह, विष्णु राठौड़, आनंद वर्मा तथा महिला मंडल आदि अनेक राम भक्त उपस्थित हुए।

अपराधियों पर पुलिस की जीरो टालरेंसी की नीति अनुसार होगी कर्रवाई

आदतन अवैध शराब में लिप्त के अपराधी होंगे जिलाबदर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मध्यप्रदेश शासन की अपराध एवं अपराधियों पर जीरो टालरेंसी की नीति अनुसार कार्रवाई की जा रही है। महिलाओं के सम्मान की सुरक्षा हेतु अलीराजपुर पुलिस प्रतिबद्ध है। महिलाओं पर अत्याचार करनें वाले एवं उनके सम्मान को ठैस पहुंचानें वाले किसी भी अपराध के अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा, इनके विरूद्ध सख्त एवं कठोर कार्रवाई हेतु ऐसे पूर्व में महिलाओं पर अपराध घटित करनें वाले अपराधियों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। इसी प्रकार अवैध शराब का व्यवसाय करनें वाले अपराधियों को भी सूचीबद्ध किया जा

रहा है। 3 या 3 से अधिक महिला संबंधी अपराध घटित करनें वाले एवं अवैध शराब के 5 या 5 से अधिक अपराध घटित करनें वाले अपराधियों का रिकार्ड खंगाला जा रहा है, ताकि इनके विरूद्ध

जिलाबदर जैसी सख्त व कठोर कार्रवाई अमल में लाई जा सके। उक्त बातें पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर मनोज कुमार सिंह ने कही।

एसपी श्री सिंह ने बताया कि, ऐसे शस्त्र लायसेंसदारानों को भी सूचीबद्ध किया जा रहा है, जिन लायसेंसदारान व इसके निकटतम परिजन के विरूद्ध गंभीर एवं सामान्य धाराओं में अपराध थानों में दर्ज है, इनके शस्त्र लायसेंस निरस्त करनें की सख्त कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। म.प्र. शासन की स्पष्ट मंशा है कि, अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई की जाए तथा अपराधियों को पनपनें से पूर्व ही उसका समूल नाश कर दिया जावे। अपराधियों की चल-अचल संपत्ति संबंधी जानकारी जुटाई जा रही है, साथ ही इनकी आर्थिक गतिविधियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकार शेख की माताजी का निधन, पत्रकार संघ आम्बुआ ने दी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, आम्बुआ। कस्बे के पत्रकार साजिद शेख की माताजी सुल्ताना बी शेख (58) का निधन पाक रमजान माह में 11 अप्रेल की शाम को हृदयाघात के कारण होने से कस्बे में शोक छा गया। मरहूम सुल्ताना बी अपने पीछे पति, बच्चों, नाती पोतों का भरा पूरा परिवार छोड़ गई। मृदु भाषी मिलनसार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रही सुल्ताना बी शेख का रमजान के पाक महीने में अचानक हुए इंतकाल से परिजन गमजदा है। आम्बुआ पत्रकार संघ के अध्यक्ष गोविंदा माहेश्वरी, संरक्षक जगराम विश्वकर्मा, गजेंद्र सिंह रावत, असलम मकरानी, मयंक विश्वकर्मा ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें जन्नत नसीब होने की प्रार्थना दुआ की। मरहूम सुल्ताना बी को 12 अप्रेल की सुबह स्थानीय कब्रिस्तान में सुपुर्द खाक किया गया। उनके जनाजे में आम्बुआ के हिंदू, बोहरा तथा मुस्लिम जमात स्थानीय निवासियों के अलावा अलीराजपुर, जोबट, आजाद नगर, कुक्षी, बड़वानी, इंदौर, झाबुआ आदि क्षेत्रों से सैकड़ों लोग शामिल हुए।

कलेक्टर श्री सिंह ने बच्चों को करवाए बिस्कीट वितरण

माही की गूंज, अलीराजपुर। जन सुनवाई के दौरान कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह का सकारात्मक एवं मानवीय पहलू भी अलग नजर आया। चिलचिलाती गर्मी के बीच जन सुनवाई में अभिभावकों के साथ छोटे बच्चे भी आए थे। बच्चों को देख कलेक्टर श्री सिंह ने तत्काल अपने स्टॉफ्को निर्देश और उक्त छोटे बच्चों के लिए बिस्कीट के पैकेट बुलवाकर उन्हें वितरण कराया। बच्चें भी बिस्कीट के पैकेट पाकर खुश हो गए। उनके चैहरे पर मुस्कान छा गई।

अब वोल्टेज की समस्या से मिलेगी निजात

क्या पुरानी घटिया केबल झेल पाएगी 5 एमवीए ट्रांसफॉर्मर का लोड...?

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ विद्युत ग्रीट पर कम वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर होने के कारण आए दिन परेशानी का सामना उपभोक्ता कर रहे थे। इस को ध्यान में रखते हुए अधिक वोल्टेज पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। अब भविष्य में उपभोक्ताओं को वोल्टेज के उतार-चढ़ाव से निजात मिलेगी।

बीते दिनों आम्बुआ के बिजली उपभोक्ताओं के लिए भरी गर्मी में राहत की खबर मिली है। यहां के विधुत ग्रीट पर लगा ट्रांसफॉर्मर जो कि 3.5 एमवीए का होकर विगत वर्षों से कम वोल्टेज उपलब्ध करा रहा था। जिसको विभाग ने हटाकर 5 एमवीए का डीपी पावर ट्रांसफॉर्मर को क्रेन की मदद से स्थापित किया गया। इससे कस्बा तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वोल्टेज का उतार-चढ़ाव (कम ज्यादा) से निजात मिलेगी। व्यापारियों में इससे हर्ष है साथ ही नागरिकों की समाचार पत्र के माध्यम से मांग है कि, विगत वर्ष कस्बे में डाली गई विधुत केबल जो कि जब से डाली गई है तब से उपभोक्ता तथा विद्युत विभाग परेशान है। यह केबल कभी भी फाल्ट होकर जल जाती है अभी कम वोल्टेज में इसकी यही हालत रही है तो अब अधिक वोल्टेज आने पर इसका भार (दबाव) यह केबल कैसे उठा सकेगी यह विचारणीय प्रश्न है।

वर्षा के जल को व्यर्थ न बहने दें- राज्यमंत्री श्री परमार

माही की गूंज, शाजापुर।

वर्षा के जल को व्यर्थ न बहने दें, अधिक से अधिक सहेजे। उक्त बात प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने ग्राम पंचायत जेठड़ा में जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यो के शुभारंभ के अवसर पर कही। उल्लेखनीय है कि, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा रायसेन जिले की गैरतगंज तहसील के ग्राम कहुला में 5 हजार 9 अमृत सरोवरों एवं पुष्कर धरोहर समृद्धि अभियान में 10 हज़ार कार्यों का शुभारंभ सिंगल क्लिक के माध्यम से शुरूआत की गई। प्रदेश के 60 विकासखंड में मुख्यमंत्री जल शक्ति अभियान की आयोजना का अनावरण किया गया। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में अमृत सरोवर योजना के तहत शाजापुर जिले के 8 करोड़ 64 लाख 76 हजार रूपए लागत के 80 तालाबों एवं पुष्कर धरोहर समृद्धि योजना के तहत जिले के लगभग 11 करोड़ रूपए लागत के 327 पुराने तालाबो के जीर्णोद्धार की शुरूआत भी सिंगल

क्लिक के माध्यम से की गई। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले की शुजालपुर तहसील के ग्राम जेठड़ा में भी दिखाया गया। ग्राम जेठड़ा में जल संसद का भी आयोजन किया गया और ग्रामीणों द्वारा जल यात्रा निकाली गई।

शुजालपुर तहसील के ग्राम जेठड़ा में जिला स्तरीय कार्यक्रम में राज्यमंत्री श्री परमार ने संबोधित करते हुए कहा कि, धरती पर जीवन का सबसे जरूरी स्त्रोत पानी है। पानी को सहेजने के लिए हमें सभी उपाय करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी जन पानी के महत्व को समझे, वर्षा ऋतु के दौरान जल को व्यर्थ न बहने दें, जल को अधिक से अधिक रोककर धरती में प्रवेश कराने के उपाय करें। उन्होंने कहा कि, आज हमारे वन क्षेत्र घट गए है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ही वर्षा पर भी प्रभाव पड़ रहा है। प्रकृति का संरक्षण करना हम सब का दायित्व है। वर्षा के जल को सहेजने के लिए तालाब, स्टॉप डेम, नदी-नाला बंधान बनाए और पानी बचाए। सरकार ने भवन स्वामियों को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि, पूर्व के समय समाज पानी रोकने के उपाय करता था, किन्तु अब मानसिकता बदल गई है। सभी लोग सोंचते है जो काम करना है सरकार को करना है, इस मानसिकता से बाहर आकर सभी लोग पानी बचाने के लिए आगे आना होगा और अपने स्तर से उपाय करना होगा। सभी लोग जहां भी जगह हो वहां, वृक्षारोपण करें, ताकि धरती का तापमान कम हो।

कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस अवसर पर कलेक्टर श्री दिनेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी सत्येन्द्र प्रसाद सिंह, सीईओ जनपद आरके मण्डल, विजय सिंह बैस, परसराम धनगर, जसमत सिंह मेवाड़ा, रामगोपाल सिसोदिया, अशोक मालवीय सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

सतेण्डी में सार्वजनिक तालाब का भूमि पूजन-प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदरसिंह परमार ने शुजालपुर तहसील की ग्राम पंचायत जेठड़ा के ग्राम सतेण्डी में 13 लाख 95 हजार 526 रूपए से निर्मित होने वाले सार्वजनिक तालाब का भूमि पूजन कर कार्य की शुरूआत की।

खाद्य तेल एवं तिलहन के स्टॉक संबंधित दिशा निर्देश जारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

भारत सरकार द्वारा आवश्यक वस्तु प्रदाय अधिनियम 1955 की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए विशिष्ट खाद्य पदार्थ पर लायसेंसी अपेक्षा स्टॉक सीमाएं और संचलन प्रतिबंध हटाना आदेश 2016 में संसोधन करते हुए 30 मार्च द्वारा देश के सभी राज्यों के लिए खाद्य तेलों और तिलहन पर 31 दिसंबर तक की अवधि के लिए फुटकर थोक एवं बडे उपभोक्ताओं पर अधिकतम स्टॉक सीमा लागू की गई है। यह स्टॉक सीमा निर्यातकों, आयातकों के निर्यात एवं आयात हेतु रखे स्टॉक पर लागू नहीं है। उक्त आदेश के परिपालन में प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग फैज अहमद किदवई ने निर्देश दिए है कि, खाद्य तेल एवं तिलहन के थोक एवं फुटकर भाव की नियमित जानकारी भारत सरकार के पीएमसी पोर्टल पर दर्ज की जाए। खाद्य तेल एवं तिलहन के व्यापारियों द्वारा भारत सरकार के पोर्टल पर नियमित रूप से स्टॉक जानकारी दर्ज की जाए। साथ ही प्रत्येक जिले में निगरानी कर यह जानकारी ली जाए कि, व्यापारियों द्वारा भारत सरकार द्वारा निधार्रित की गई स्टॉक सीमा से अधिक स्टॉक का संग्रहण तो नहीं किया जा रहा है। यदि ऐसा कोई मामला प्रकाश में आता है तो संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण म.प्र. को तत्काल अवगत कराया जाए।

गेहूं खरीदी केंद्र पर पसरी विरानी, कृषक नहीं आ रहे बिक्री हेतु

माही की गूंज, आम्बुआ।

वर्तमान समय में गेहूं की फसल निकालने का होकर कृषक फसल काटने तथा थ्रेशर से निकालकर बिक्री हेतु ला रहे हैं। मगर ये कृषक सहकारी शाखा संस्थाओं की मंडी की बजाय व्यापारियों के पास जा रहे हैं। इसलिए सरकारी गेहूं उपार्जन केंद्रों पर सन्नाटा पसरा है। जानकारी अनुसार प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरकार को समर्थन मूल्य पर खरीदी के आदेश जारी किए तथा कृषकों को दो माह पूर्व ही बिक्री मूल्य 2 हजार 15 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया। मगर जैसे कृषकों ने गेहूं खेतों से निकाला तथा गेहूं उपार्जन केंद्र पर आने की तैयारी की तभी उन्हें पता चला कि, निजी व्यापारी केंद्रों तथा मंडियों में गेहूं का अधिक मूल्य लगभग 2 हजार 100 रुपए से 2 हजार 200 रुपए प्रति क्विंटल दे रहे हैं, साथ ही पैसे का भुगतान भी नगद दिया जा रहा है। जिससे प्रभावित होकर कृषकों ने व्यापारियों तथा मंडी का रास्ता पकड़ा। जैसे-जैसे गेहूं खेतों से बाहर आ रहे हैं वे सीधे

व्यापारियों तथा मंडियों में जाकर बेच रहे हैं। ये ही कारण है कि, सरकारी गेहूं खरीदी केंद्र पर सन्नाटा पसरा है। जबकि इस समय सरकारी गेहूं खरीदी केंद्रों पर भीड़ रहती थी तथा कृषकों को मोबाइल पर सूचना देकर समय तथा तारीख देकर बुलाया जाता था। मगर इस बार कृषकों की बेरुखी ने शासन के खरीदी केंद्रों के गोदाम खाली छोड़ दिया। आम्बुआ सहकारी संस्था के खरीदी केंद्र के प्रभारी सुनील चौहान ने बताया कि, कृषक फसल बेचने नहीं आ रहे हैं। सूचना भी दी जा रही है फिर भी नहीं आ रहे हैं। 28 मार्च से अभी तक मात्र 11 क्विंटल 50 किलो गेहूं खरीदा जा सका है। जबकि विगत वर्ष 2 हजार 572 क्विंटल गेहूं खरीदा गया था। इस बार आम्बुआ खरीदी केंद्र को आम्बुआ, बोरझाड़ के अतिरिक्त गुड़ा सहकारी संस्था क्षेत्र से भी गेहूं खरीदी करने का निर्देश शासन स्तर से मिला था। इसी कारण आम्बुआ में ही गोदाम बनाया गया था। ताकि गेहूं जिले पर भेजने तथा वहां से वितरण हेतु उचित मूल्य की दुकानों पर लाने आदि के खर्च से शासन बच सके।

परीक्षाओं के दौरान अधिकारियों का निरीक्षण मात्र ढकोसला...

फर्जी रुप से बच्चों से दिलवाई जा रही परीक्षा मामले में माही की गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद प्रशासन आया हरकत में

जिसने किया गुनाह कबूल उनपर ही गिरी गाज, जिसने किया गुमराह वो अब भी है साहूकार

माही की गूंज, झाबुआ/खवासा

जिले के विकासखंड थांदला के तलावडा परीक्षा केंद्र पर 6 अप्रैल को परीक्षा के दौरान अनुपस्थित बच्चों के स्थान पर अन्य बच्चो को लाकर परीक्षा दिलवाई जा रही थी, जिसका खुलासा माही की गूंज ने प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। इसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आया और दो शिक्षकों पर फिलहाल कार्रवाई की गई। साथ ही अन्य जवाबदार शिक्षकों के संबंध में जांच का ढकोसला कर मामले में ढिलाई बरती जा रही है।

बतादें कि, 6 अप्रैल को 5 वी कक्षा का गणित का प्रश्न पत्र हल किया जा रहा था कि, थांदला विकासखंड के खवासा क्षेत्र की ग्राम तलावड़ा के परीक्षा केंद्र में सामूहिक रूप से शिक्षकों की रजामंदी के साथ कक्षा 5 वी में अनुपस्थित पांच बच्चों के स्थान पर अन्य पांच बच्चे कक्षा 4 थी के बुलवाकर परीक्षा दिलवाई जा रही थी। जिसका खुलासा माही की गूंज ने कर वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में डाला गया। इसी दौरान थांदला बीईओ प्रेम नारायण अहिरवार, बीआरसी अन्तरसिंह रावत क्षेत्र के अन्य परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण कर रहे थे, वही माही की गूंज की सूचना के बाद बीईओ व बीआरसी तलावडा परीक्षा केंद्र पहुंचे और अनुपस्थित बच्चों के स्थान पर अन्य पांच बच्चे कक्षा 5 वी में प्रश्न पत्र हल करते हुए पाए गए। मामला माही की गूंज के कारण सामने आने पर चाह कर भी स्थानीय शिक्षक व अधिकारी उक्त मामले को रफा-दफा नहीं कर सके।

वही 7 अप्रैल के अंक में ÷आखिर यह कैसा शिक्षा का स्तर...? क्या फर्जी मूल्यांकन व आंकड़ों के आधार पर ही उच्च शिक्षा के शिखर पर पहुंचेगी सरकार...?÷ ÷हाई व हाई सेकेंडरी के बच्चों को करवाई गई नकल तो पलायन पर गए बच्चों के स्थान पर फर्जी रूप से अन्य बच्चों से दिलवाई जा रही परीक्षाएं÷ के शीर्षक के साथ प्रकाशित समाचार के बाद जिला प्रशासन भी हरकत में आ गया और कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने भी मामले को संज्ञान में लिया और तलावड़ा परीक्षा केंद्र पर परीक्षा के दौरान उपस्थित शिक्षकों एवं परीक्षा केंन्द्राध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी कर तत्काल जवाब मांगा। जिस पर 7 अप्रैल को ही मोवडीपाड़ा फलिया के प्राथमिक शाला प्रभारी रामलाल मैड़ा व मालासात फ़लिया के शाला प्रभारी प्रभुसिंह डामर ने अपने जवाब में कहा कि, बच्चे शादी समारोह में गए थे, उनकी अनुपस्थिति में उनके भविष्य को देखते हुए अन्य बच्चों को बिठाकर परीक्षा दिलवाई गई, कबूल किया। जिसके बाद 7 अप्रैल को ही उक्त दोनों शिक्षकों को निलंबित कर खंड शिक्षा कार्यालय राणापुर अटैच कर दिया गया। वही केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष ने पूरे मामले में अपने आप को बेगुनाह बताकर परिचय पत्र पर छात्रों के फोटो नहीं होने का हवाला देकर संपूर्ण पहचान की जवाबदेही संबंधित शाला के प्रभारी शिक्षक पर ढोल दी गई।

वही तलावड़ा के एचएम सुरेंद्र मैंड़ा जिनकी ड्यूटी परीक्षा के दौरान नहीं होने के बावजूद परीक्षा केंद्र पर पाए जाने पर फिलहाल नोटिस जारी कर कहा गया कि, बिना ड्यूटी के परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र पर उपस्थित रहना परीक्षा को प्रभावित किया जाने की नियत माना गया है। वही सादेडा की प्राथमिक शाला का शाला प्रभारी मनीष भट्ट भी ड्यूटी पर नहीं थे परंतु वह परीक्षा केंद्र पर उपस्थित थे, लेकिन यहां भी केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष जो कि पूरे मामले में

गूंज के पिछले अंक में उक्त खुलासे के बाद शिक्षको के साथ जिला प्रशासन भी आया हरकत में

जवाबदेही है बावजूद मनीष भट्ट को बचाने का प्रयास कर उसे परीक्षा केंद्र पर रिलीवर के रूप में रखा गया था की बात कर रहे हैं।

माही की गूंज की कलम को खरीदने में रहे असफल, अब अधिकारी काटेंगे चांदी

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों को अधिकारियों ने चांदी काटने का एक जरिया बना लिया है यह तय है। उक्त मामले की ही बात करें तो माही की गूंज प्रतिनिधि जैसे ही तलावड़ा परीक्षा केंद्र पहुंचा और देश के भविष्य कहे जाने वाले बच्चों को अपराधी बनाकर शिक्षकों द्वारा सामूहिक रूप से अन्य बच्चे के स्थान पर परीक्षा दिलवाई जाने की बात का खुलासा परीक्षा केंद्र पर किया। जिसके बाद मौके पर ही मामले को निपटाने के लिए माही की गूंज की कलम को खरीदने का असफल प्रयास किया। वहीं मामला जब परीक्षा केंद्र पर रफा-दफा नहीं होने पर सामूहिक रूप से 6 शिक्षकों ने एक शिक्षक जो कि निहायत ही सीधा है, परंतु उसे शराब का सेवन करवाकर माही की गूंज कार्यालय खवासा भेज सादेडा, मालासात, तलावड़ा, मोवड़ीपाड़ा, गढ़ी फलिया, केसरपुरा कुल 6 शाला के बच्चे उक्त परीक्षा केंद्र तलावड़ा में परीक्षा दे रहे थे। यहा के सभी प्रभारी शिक्षकों ने माही की गूंज की कलम को खरीदने के लिए 25 से 30 हज़ार रुपये, कौन शिक्षक कितना-कितना उक्त मामले को माही की गूंज में समाचार प्रकाशित नही करने के लिए देंगे लिखित उल्लेख के साथ भेजा गया। शिक्षकों ने सर्वप्रथम अपने आंकड़ों की पूर्ति के लिए अन्य बच्चों को बिठाकर परीक्षा दिलवाने का अपराध करने के साथ ही वही शिक्षक माही की गूंज की कलम को खरीदने का साहस कर पाना हर स्थिति में छोटी बात नहीं है। परंतु ऐसे शिक्षक क्या देश के भविष्य कहे जाने वाले विद्यार्थियों के सही मायने में रचयिता बनने के योग्य है ...? की बात पर ही प्रश्नचिन्ह लगता है।

बात यही नहीं रुकी तो माही की गूंज में मामला उजागर होने के बाद एक चरित्रहीन शिक्षक जिसने, जिसे अपनी बेटी बनाकर गोदी रखा उस धर्म की बेटी के साथ चरित्रहीन कार्य करने का प्रयास करने वाला चरित्रहीन शिक्षक हमारे एक साथी पत्रकार को कहता है, संजय भटेवरा ले-देकर कर यह मामला यहां निपटा देता तो अच्छा था, पर क्या करो उसने पैसे नही लिए और समाचार पूरा छाप दिया, अब ऊपर अधिकारियों को दो या तीन-तीन महीने की तनख्वाह देना पड़ेगी के साथ यह पूरा मामला निपट जाएगा।

उक्त चरित्रहीन शिक्षक पूरे भ्रष्ट सिस्टम से अच्छी तरह से वाकिफहै और उसके द्वारा कही गई बात भी संपूर्ण सत्य है। फिलहाल उक्त मामले में बच्चे शादी में जाने के कारण दूसरे बच्चों को परीक्षा में बिठाने का रीजन, बच्चे के भविष्य को आधार बताया है। इसी आधार पर जल्द ही दोनों शिक्षकों को बहाल भी कर दिया जाएगा माना जा रहा है और अन्य बाकी केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष के साथ 5 शिक्षकों पर जांच का ढकोसला कर पूरी तरह से क्लीनचिट दी जाकर चरित्रहींन शिक्षक के द्वारा कही गई बात को वरिष्ठ अधिकारी सार्थक करेंगे यह तय है।

अधिकारियों के द्वारा परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के बाद भी एक भी मामला नहीं

बतादें कि, उक्त तलावड़ा का यह मामला प्रथम नहीं है। खवासा में ही सन् 2005-2006 में इसी कलमकार ने ऐसा ही मामला जिसमें खवासा क्षेत्र के नवापाडा स्कूल के 5 वी कक्षा के बच्चे पलायन पर थे। परीक्षा केंद्र प्राथमिक शाला खवासा में पलायन पर गए बच्चों के स्थान पर सरस्वती शिशु मंदिर खवासा के तीसरी कक्षा के बच्चों से प्रश्न पत्र हल करवाए जाने का मामला उजागर किया था। यह तय है, सरकारी आंकड़ों की पूर्ति के लिए करीब -करीब सभी स्कूलों में परीक्षा के दौरान इस तरह का कृत्य ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा रहा है। वहीं परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा के दौरान सरकारी धन खर्च कर चार पहिया वाहनों से अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर खानापूर्ति की जा रही है। नतीजन माही की गूंज के द्वारा उक्त एक मामला फिर फर्जी रूप से परीक्षा दिलवाने का खुलासा किया। वरन कई स्कूलों में ऐसा होने के बावजूद अधिकारी खुद निरीक्षण के दौरान भी मामला सामने आने के बाद भी प्रकरण नहीं बनाना यह सिद्ध करता है कि, अधिकारी खुद अपने अधीनस्त शिक्षकों को आंकड़े पूर्ति करने के लिए ऐसे निर्देश दे रहे हैं।

इस तरह की शिक्षा व्यवस्था के साथ शिक्षा का स्तर कितना उन्नति पर है सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

जिले में पग-पग पर भ्रष्टाचार इसलिए लगी कलेक्टर को सीएम की फटकार...

एक भी विभाग ऐसा नही जिसको भ्रष्टों ने लूटा नहीं, खेल सामग्री मामले में दो और एफआईआर हुई दर्ज

माही की गूंज, झाबुआ

जिले में चाहे डीजल माफ्रिया हो या शराब माफ्रिया, खनन माफ्रिया, क्रेशर माफ्रिया, भूमाफ्रिया हर और इनका प्रभाव और रसूक इस कदर हावी है कि, प्रशासन इनके आगे पूरी तरह से नसमस्तक है। दूसरी और जिला वर्तमान में भ्रष्टाचार का हब बना हुआ है। यहां जिले में किसी भी विभाग की मद में आने वाली राशि का भरपूर दुरूप्रयोग कर खुला भ्रष्टाचार किया जाता है। प्रशासनिक कमजोरी के कारण ही जिले में खेल सामग्री सप्लाई जैसा भ्रष्टाचार हुआ। जो इस जिले में चल रहे भ्रष्टाचार के खेल का केवल नमूना भर है। जनजातीय विभाग से लेकर, शिक्षा विभाग, खनिज विभाग, आरईएस विभाग, जनपद पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास सहित कई विभागों में भारी भ्रष्टाचार किये जा रहे, इन विभागों के रिकॉर्ड देखो तो जमीनी हकीकत कुछ और निकलेगी। मीडिया और शिकायतकर्ताओ के माध्यम से लगातार मामले उजागर हो रहे है, लेकिन जिला प्रशासन की कार्रवाई केवल वसुली तक सीमित होती है। जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार के मामलो कि गूंज अब

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान तक पहुच चुकी है ।

बढ़ते भ्रष्टाचार पर जिला कलेक्टर को लगी कड़ी फटकार

शनिवार को झाबुआ में हुई वीसी में जिला कलेक्टर को जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर मुख्यमंत्री चौहान ने कड़ी फटकार लगाते हुए मामलों में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि, मुख्यमंत्री ने जिले से भ्रष्टाचार के मामलो में सुखद परिणाम नही आने की स्थिति में स्वयं कमान हाथ मे लेने की हिदायत तक दी गई। मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने खेल सामग्री मामले में जवाबदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने के बात कही है। मुख्यमंत्री की फटकार के बाद तय है कि, जिला कलेक्टर भ्रष्टाचार को लेकर एक्शन में नजर आएंगे, लेकिन उनका एक्शन भ्रष्टाचारियो को जेल भेजने के लिए होगा या केवल मुख्यमंत्री के निर्देश की खानापूर्ति के लिए देखना दिलचस्प होगा।

फटकार के बाद दो और फर्म्स पर झाबुआ और मेघनगर थाने में हुआ मामला दर्ज

लगातार सुर्खियों में रहा खेल सामग्री भ्रष्टाचार में अब तक दो थानों में मामला दर्ज किया जा चुका था। झाबुआ की एक फर्म जिस पर प्रशासन मेहरबान हो कर मामला दर्ज नही करा रहा था, मुख्यमंत्री द्वारा मामले में सीधे हस्तक्षेप के बाद मेघनगर की फर्म कटारिया बुक सेंटर और झाबुआ में सूरजमल एंड संस के खिलाफ धारा 420, 511, 120 बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। फिलहाल दर्ज अपराध में किसी अधिकारी, जनशिक्षक, शिक्षक ना ही इस खेल में शामिल नेताओं को आरोपित नही बनाया गया है ।

पेटलावद थाने में शिक्षकों और सीएससी के बयान हुए दर्ज

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने खेल सामग्री मामले में जाच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नही की है, लेकिन सामग्री क्रय करने वाली सबंधित शिक्षकों और जन शिक्षको के बयान पर पेटलावद थाने वाले मामले में दर्ज किए जाने की जानकारी मिली है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार शिक्षको ने अपने बयान में सीधे-सीधे जन शिक्षको के द्वारा दबाव डालने और उनके द्वारा उन्ही से सामग्री उपलब्ध कराए जाने की बात कही है।

प्रशासन द्वारा हटाये गए स्थान पर फिर कब्जा करने का प्रयास, विवादित स्थिती के बाद भी कोई कार्रवाई नही

माही की गूंज, पेटलावद

7 अप्रैल को ग्राम बनी स्थित अतिक्रमण को राजस्व विभाग द्वारा पूरे दल-बल के साथ मौके से हटाया था, जिसके बाद से लगातार मौके पर विवाद की स्थिति बनी हुई है। अतिक्रमणकर्ता उक्त स्थान पर काबिज होने का लगातार प्रयास कर रहा है। वही शिकायतकर्ता लगातार इसकी शिकायत प्रशासन और पुलिस को कर रहा है। पुलिस की और से प्रशासन की और से निर्देश मिलने की बात कही जा रही है, तो प्रशासन अतिक्रमण होने पर फिर हटाने की बात कर रहा हैं लेकिन वर्तमान स्थिति को रोकने के कोई प्रयास नही किये जा रहे है जिससे मामला लगातार विवादग्रस्त होता जा रहा है। अतिक्रमण हटाने के बाद शिकायतकर्ता के ऊपर ही मारपीट का मामला दर्ज हो गया। विगत चार साल से जारी इस विवाद में दोनों पक्षों पर दो से तीन मामले पंजीबद्ध हो चुके है और समय रहते स्थिती को नियंत्रित नही किया गया तो ये विवाद बड़ा रूप भी ले सकता है।

अतिक्रमणकर्ता अगर भूमिहीन और बेरोजगार है तो उसे ग्राम पंचायत से दूसरी शासकीय जगह उपलब्ध कराकर विस्थापित कर उक्त विवाद को बढ़ने से रोका जा सकता है।

हत्या की शंका को लेकर चौकीदार की कर दी हत्या

पुलिस छावनी में बदला गांव, ग्राम सहित आसपास के लोग घर छोड़कर भागे

माही की गूंज, पेटलावद/सारंगी

पेटलावद थाने की सारंगी चौकी के अंतर्गत ग्राम छायन पूर्व में मंगलवार को एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई, मृतक चौकीदार

(कोतवाल) बताया जा रहा है। मामला सामने आने के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल ने गाव में डेरा जमा लिया, बताया जा रहा है हत्या के बाद छायन पूर्व सहित आसपास के तीन-चार गाव के लोग गाव छोड़ कर चले गए। मिली जानकारी के अनुसार पिछले माह होली के दिन गाव के ही एक व्यक्ति पप्पू मैडा का शव नदी से बरामद हुआ था। परिजनों को शंका थी कि, रामचंद्र चौकीदार ने ही उसकी हत्या की जिसको लेकर विवाद चल रहा था। सारंगी चौकी पर मर्ग पंजीबद्ध कर जांच भी की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि, इसी बात को लेकर रामचंद्र को घेर कर एक पेड़ से बांध कुछ लोगों ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिस प्रकार की परिस्थिति गाव और उसके आसपास बन रही है जिससे पता लगता है चौकीदार की हत्या में मोब्लिंचिंग का मामला भी सामने आ सकता है। सारंगी चौकी प्रभारी नरेंद्र राठौर बताया कि, 6 लोगो व अन्य के विरुद्ध हत्या मामला दर्ज किया है और 3 लोगो की गिरफ्तारी की गई है।

भारतीय रेलवे में लंबे समय से रुकी इंदौर-दाहोद रेल लाईन के कार्य में आ सकती है तेज़ी

41 बड़े व 290 होंगे छोटे पुल के निकले टेंडर, प्रक्रिया हुई शुरु, दावा 2024 में इंदौर-धार के बीच ट्रेन दौडऩा होगी शुरु

माही की गूंज, रतलाम/झाबुआ

रेलवे में लंबे समय से रुकी हुई इंदौर-दाहोद रेल लाइन के टेंडर जारी कर दिए है। वर्षो से कछुवा गति से चल रहे इस लाइन के कार्य मे दावा किया जा रहा है कि, 2024 में इंदौर-धार के बीच ट्रेन दौडऩा शुरू हो जाएगी। रेलवे की और से करोडों रुपये के टेंडर जारी किये जाने की जानकारी सामने आई है ।

शुरू हुई टेंडर प्रक्रिया 5 मई तक भरना होगा टेंडर

रेल मंडल के दाहोद-इंदौर वाया सरदारपुर, झाबुआ, धार 204.76 किमी लंबी नई रेल लाइन प्रोजेक्ट को रेलवे बोर्ड के द्वारा फिर शुरू करने की मंजूरी के बाद विभाग ने टेंडर जारी किए गए है। इसको भरने के लिए 5 मई तक का समय दिया गया है। इस टेंडर में लाइन के दौरान बनने वाले सभी छोटे-बड़े 300 से ज्यादा पुलो के टेंडर होना है। इस प्रोजेक्ट पर वर्ष 2020 में रोक लगाई गई थी। लेकिन अब दावा है कि, इसे जल्दी से पूरा किया जाएगा। इससे इस क्षेत्र का सामाजिक व आर्थिक विकास भी हो सकेगा। 2008 में मंजूर की गई इस रेल परियोजना को तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य लिया गया था। 14 साल होने के बाद भी कई निर्माण कार्य अधूरे है।

मध्यप्रदेश व गुजरात शामिल है योजना में

रेल मंडल के अनुसार इस प्रोजेक्ट को रेल मंत्रालय द्वारा वित्तीय वर्ष 2007-08 में 678.54 करोड़ की लागत से स्वीकृत किया गया था तथा जून 2012 में रेलवे बोर्ड द्वारा विस्तृत आकलन के साथ

1640.04 करोड़ स्वीकृत किया गया था। इस प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 204.76 किमी है। इसमें 21 किमी गुजरात तथा शेष 183.76 किमी मध्यप्रदेश में पड़ता है। प्रोजेक्ट का दो खंडों इंदौर-राऊ 12 किमी व राऊ-टीही 9 किमी का काम जून 2016 व मार्च 2017 में कार्य पूरा होकर 21 किमी खंड कमिशन हो चुका है। वर्ष 2020 में इस प्रोजेक्ट को रोका गया था तथा मई 2020 से कार्य को बंद कर दिया गया था। अब इस कार्य को शुरू किया जाएगा। रेलवे जानकारों का कहना है कि, इंदौर से टीही तक का काम पूरा हो चुका है लेकिन

इस पर अभी कंटेनर ट्रेन चलाई जा रही है। उधर, छोटा उदयपुर से धार के बीच का काम भी जल्द पूरा होने वाला है। इससे निकट भविष्य में इंदौर, छोटा उदयपुर तक जुड़ सकता है। वहीं यह लाइन पीथमपुर के लिए महत्वपूर्ण है। टीही से जाने वाले कंटेनर निकट भविष्य में वडोदरा होकर जल्दी मुंबई पहुंच सकेंगे। धार भी एक बड़ा जक्शन बनकर उभरेगा। इंदौर से जाने वाली ट्रेनें गुजरात होकर जल्द ही महाराष्ट्र पहुंच सकेंगी। वहीं इंदौर से मुंबई की दूरी भी कम हो सकती है। खंडवा की तरह यहां से कई ट्रेनें संचालित हो सकेंगी।

आदिवासी बहुल इलाके के विकास के लिए महत्वपूर्ण इंदौर-दाहोद रेल लाइन प्रोजेक्ट

प्रदेश का आदिवासी बहुल इलाका धार-झाबुआ इसी प्रोजेक्ट की आस में खुद के तीव्र विकास का सपना देख रहा है। 8 फरवरी 2013 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी थी। इसका काम अभी तक पूरा नहीं हो सका है, वहीं प्रोजक्ट की लागत भी बढ़ती जा रही है। विनीत गुप्ता मंडल रेल प्रबंधक का कहना है कि, दाहोद-इंदौर रेल परियोजना को तेजी से पूरा करने को कहा गया है। इसके लिए टेंडर जारी हो चुके है। इससे काम में गति आएगी। झाबुआ और धार पहली बार रेल लाइन होने का सपना अगर पूर्ण होता है तो अंचल के आदिवासियों सहित व्यापारियों को इसका सीधा फायदा ट्रेनों के आवागमन से होगा और आदिवासी जिले का विकास भी होगा।

इस प्रकार अब तक लाइन के कार्य को लेकर हुई तैयारी

- 2008 में प्रोजेक्ट स्वीकृत।
- 200 किलोमीटर लंबी रेल लाइन।
- 3 साल में काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था।
- 1640 करोड़ का प्राजेक्ट बढ़ कर 2000 करोड़ हुआ।
- 847 करोड़ रुपये खर्च हो चुके अब तक
- 21 किलोमीटर तक का काम पूरा इंदौर से टीही के बीच
- 16 किलोमीटर तक काम पूरा दाहोद से कठवाड़ा के बीच
- 331 पुल, जिसमें 41 बड़े और 290 छोटे

32 छोटे-बड़े कुल रेलवे स्टेशन रहेंगे

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422